सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

अंक : 17 | वर्ष : 01 | साप्ताहिक (08 से 14 मई 2026) | पृष्ठ 8 | मूल्य : 5/- रुपये | E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

राजधानी चौपाल
समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...
94169-26329
93068-13001

अब घर बैठे मिलेगा बिल्डिंग प्लान अप्रूवल धरतीपुत्रों को अब फोन पर मिलेगा जे-फार्म

प्रो-एक्टिव मॉडल से बिना आवेदन घर बैठे मिल रहा योजनाओं का लाभ

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा सरकार की सियासी और प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के डिजिटल दांव की जबरदस्त चर्चा हो रही है क्योंकि शुक्रवार को उन्होंने एक साथ दो ऐसे तीर छोड़े हैं जिसने दफ्तरों के चक्कर काटने वाली जनता और मंडियों में पसीना बहाने वाले किसानों को बड़ी राहत दे दी है।

मुख्यमंत्री ने विकास और जन-कल्याण के पहिये को रफ्तार देते हुए ऑनलाइन बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम की शुरुआत कर दी है जिसका सीधा मतलब यह है कि अब साहबों के आगे फाइलें लेकर मिन्नतें करने का दौर खत्म होने वाला है और लोग अपने घर की ड्राइंग या प्लॉट के नक्शे की मंजूरी बस एक क्लिक पर ले सकेंगे। हालांकि फिलहाल यह सुविधा पुरानी नगर पालिकाओं और कोर एरिया के रिहायशी प्लॉट्स के लिए ही है लेकिन सरकार ने साफ कर दिया है कि भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए आर्किटेक्ट्स से लेकर अफसरों तक को कड़ा प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि सिस्टम में कोई छेद न रहे। चौपाल पर चर्चा इस बात की भी है कि हरियाणा का किसान अब हाईटेक हो गया है क्योंकि प्रदेश में पहली बार फसल की बिक्री का जे-फार्म सीधे वॉट्सएप पर टपक रहा है और 6 मई तक की रिपोर्ट बताती है कि करीब पौने छह लाख किसानों के मोबाइल पर पौने चौदह लाख जे-फार्म पहुँच भी चुके हैं। सीएम सैनी ने केवल पोर्टल ही नहीं खोले बल्कि खजाने का मुंह भी खोल दिया और एक ही झटके में 24 कल्याणकारी योजनाओं के तहत करीब 2115 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि सीधे 58 लाख से ज्यादा लाभार्थियों के खातों में खटाखट ट्रांसफर कर दी। गेहूं की सरकारी खरीद का आंकड़ा भी 82 लाख मीट्रिक टन पार कर चुका है और जिन किसानों की फसल कुदरत के कहर यानी प्राकृतिक आपदा की भेंट चढ़ गई थी उनके घावों पर मरहम लगाते हुए सीएम ने डेढ़ लाख किसानों को 370 करोड़ रुपये का मुआवजा भी जारी कर दिया है। इसके साथ ही भावांतर भरपाई योजना के जरिए सब्जी उगाने वाले किसानों को करीब 39 करोड़ रुपये देकर सरकार ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि खेती-किसानी उनकी प्राथमिकता में सबसे ऊपर है। सचिवालय के गलियारों से लेकर गांव की चौपालों तक अब बस इसी बात का शोर है कि डिजिटल होती इन सुविधाओं ने बिचौलियों का धंधा मंदा कर दिया है और जनता की जेब और समय दोनों की बचत का रास्ता साफ कर दिया है।

18 सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत 1,146 करोड़ जारी

सीएम ने 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' योजना की 7वीं किस्त के रूप में 205 करोड़ रुपए जारी किए। 18 विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत 1,146 करोड़ रुपए से अधिक की राशि 35.62 लाख बुजुर्गों और दिव्यांगों के खातों में भेजी गई। शिक्षा के क्षेत्र में, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत अनुसूचित जाति के 64,923 विद्यार्थियों को 100.45 करोड़ रुपए जारी किए गए। 'दयालु योजना' के तहत प्रभावित परिवारों को 215 करोड़ रुपए और उज्ज्वला योजना की 11.23 लाख लाभार्थी महिलाओं

को 38.54 करोड़ रुपए की गैस सब्सिडी सीधे उनके खातों में भेजी गई है।

वर्तमान पंजाब सरकार भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस से भी आगे निकली : सीएम नायब ने प्रेस वार्ता में कहा कि पहले पंजाब के लोग कांग्रेस के भ्रष्टाचार से तंग हो गए थे, वर्तमान पंजाब सरकार तो भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस से भी 4 कदम आगे निकल गई है। आज पंजाब के लोग इलाज के लिए तड़प रहे हैं, आम आदमी प्रताड़ित हो रहा है। पंजाब के लोग बदलाव चाहते हैं और पीएम नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर आने वाले विधानसभा चुनाव में पंजाब में भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुके हैं।

उकलाना और आदमपुर में चुनाव को लेकर ड्राई डे

3 किमी के दायरे में शराब ठेके रहेंगे बंद; बिक्री पर पूर्णरूप से पाबंदी

हिसार/आदमपुर मंडी/उकलाना (राजधानी चौपाल) | हिसार जिले के उकलाना नगरपालिका एवं पंचायत राज चुनाव-2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट एवं उपायुक्त महेंद्र पाल ने पंजाब आबकारी अधिनियम 1914 की धारा 54 के तहत आदेश जारी करते हुए संबंधित क्षेत्रों में ड्राई डे घोषित किया है।

जारी आदेशानुसार नगरपालिका उकलाना क्षेत्र से तीन किलोमीटर की परिधि में आने वाले सभी शराब ठेके, बार एवं शराब परोसने वाले प्रतिष्ठान मतदान प्रक्रिया पूरी होने तक बंद रहेंगे। यह प्रतिबंध 8 मई 2026 को सायं 6 बजे से लागू होकर 10 मई 2026 को मतदान समाप्ति तक प्रभावी रहेगा। यदि किसी क्षेत्र में पुनर्मतदान होता है, तो संबंधित क्षेत्र में 12 मई 2026 तक यह प्रतिबंध जारी रहेगा। वहीं मतगणना दिवस 13 मई 2026 को भी मतगणना पूरी होने एवं परिणाम घोषित होने तक शराब बिक्री पर पूर्णरूप से पाबंदी रहेगी।

चुनावी क्षेत्रों में हथियार ले जाने पर बैन : वहीं उपायुक्त महेंद्र पाल ने बताया कि चुनावी क्षेत्रों में हथियारों के प्रदर्शन अथवा उपयोग से शांति भंग होने तथा आमजन की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होने की संभावना को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आदेशों में बताया गया कि लाइसेंसी आग्नेयास्त्र, तलवार, लाठी, बरछा, कुल्हाड़ी, गंडासा, चाकू सहित ऐसे सभी हथियार एवं वस्तुएं, जिनका उपयोग आक्रामक गतिविधियों में किया जा सकता है, लेकर चलने पर पूर्णरूप से पाबंधी।

सरकारी कर्मियों पर आदेश नहीं लागू : इसके अलावा धार्मिक परंपरा के तहत म्यानबंद कृपाण को इस प्रतिबंध से बाहर रखा गया है। उन्होंने बताया कि यह आदेश पुलिस बल एवं ड्यूटी पर तैनात अन्य सरकारी कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। आदेशों की उल्लंघना करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 एवं अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिलाधीश ने आमजन से चुनाव अवधि के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने तथा प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

आदमपुर मंडी व जवाहर नगर में थमा चुनाव प्रचार, मतदान 10 को, मतगणना 13 मई को

आदमपुर मंडी (राजधानी चौपाल) | मंडी आदमपुर व जवाहर नगर में पंच और सरपंच के चुनाव को लेकर शुक्रवार शाम चुनाव प्रचार थम गया। 10 मई को होने वाले मतदान से पहले उम्मीदवारों ने अंतिम दिन पूरी ताकत झोंकते हुए घर-घर जाकर समर्थन मांगा। दोनों गांवों में दिनभर चुनावी माहौल गर्म रहा और समर्थकों ने भी अपने प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार किया। जवाहर नगर ग्राम पंचायत में पहली बार महिला सरपंच का चुनाव होगा, जिससे महिला नेतृत्व को लेकर लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। वहीं मंडी आदमपुर पंचायत में सरपंच पद पुरुष वर्ग के लिए आरक्षित है। मंडी आदमपुर पंचायत में कुल 9,079 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जबकि जवाहर नगर पंचायत में 6,560 वोटर उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे।

कच्चे कर्मियों को हाई कोर्ट से मिली बड़ी राहत

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा सरकार के बोर्ड, निगम, विभागों में काम कर रहे कच्चे, अनुबंधित व अस्थायी कर्मचारियों को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा व जस्टिस रोहित कपूर की बेंच ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि अब कर्मचारियों के नियमितीकरण के दावों पर पुरानी नीतियों के बजाय सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आधार पर नए सिरे से विचार होगा। कोर्ट ने 98 अपीलों के संयुक्त निपटारे में सरकार, बिजली निगमों, नगर निगमों, हाउसिंग बोर्ड व अन्य सार्वजनिक संस्थाओं को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक कर्मचारी के मामले की जांच कर 6 माह में कारण समेत लिखित आदेश पारित करें। प्रत्येक कर्मचारी के सेवा रिकॉर्ड, पात्रता और नीति की वैधता के आधार पर निर्णय लेना होगा। कोर्ट ने साफ किया कि जब तक संबंधित कर्मचारी के दावे पर अंतिम प्रशासनिक निर्णय नहीं हो जाता, तब तक उसकी मौजूदा सेवा स्थिति में बदलाव नहीं होगा। यानी कर्मचारियों को हटाया नहीं जाएगा।

भजनलाल पर रेखा के बयान के खिलाफ कोर्ट पहुंचे चंद्रमोहन, मानहानि का दावा व केस किया, प्री-कॉग्निजेंस सुनवाई का नोटिस जारी किया

चंडीगढ़/पंचकूला (राजधानी चौपाल) | भाजपा सांसद रेखा शर्मा द्वारा पूर्व सीएम भजनलाल और उनके बेटे चंद्रमोहन के खिलाफ की गई टिप्पणी का मामला कोर्ट पहुंच गया है। विधायक चंद्रमोहन ने सांसद रेखा शर्मा के खिलाफ मानहानि का सिविल दावा और आपराधिक शिकायत कोर्ट में दर्ज करवाई है। कोर्ट ने सांसद को 7 मई के लिए नोटिस जारी किया है।

दरअसल, एक चुनावी सभा में सांसद रेखा शर्मा ने दिवंगत भजनलाल और चंद्रमोहन को कथित तौर पर 'बदमाश' बताते हुए उन पर बदमाशी के दम पर चुनाव जीतने का गंभीर आरोप लगाया था। इस बयान के बाद विधायक चंद्रमोहन ने वकील के माध्यम से लीगल नोटिस भेजकर 7 दिनों के भीतर माफी मांगने को कहा था। माफी न मांगे जाने पर अब विधायक ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। वकील दीपांशु ने बताया कि मामले की सुनवाई दो स्तरों पर चल रही है। आपराधिक शिकायत में जज अभिधा गुप्ता की अदालत में विधायक चंद्रमोहन और 4 अन्य गवाहों ने गवाही दर्ज करवाई है। कोर्ट ने 20 मई के लिए प्री-कॉग्निजेंस सुनवाई का नोटिस जारी किया है। सिविल मानहानि दावा में अदालत ने सांसद रेखा शर्मा को 7 मई के लिए नोटिस जारी कर पक्ष रखने को कहा है।

खट्टर बोले- बयान से पार्टी का लेनादेना नहीं

हिसार | रेखा शर्मा के बयान के मामले में पूर्व सीएम एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि उनके बयान से पार्टी को कोई लेनादेना नहीं है। वहीं, कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने कुलदीप बिश्नोई के बयान पर कहा कि मिल बैठकर बातचीत करके इसका रास्ता निकलेगा। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि हो सकता है उनके पास भी कुछ कागज-पर्चेंचें मौजूद हों। सबके पास कुछ न कुछ सामान होता है।

सर्व समाज के लोगों ने विरोध में प्रदर्शन किया (टोहाना) : पूर्व सीएम चौधरी भजनलाल पर दिए गए बयान पर विरोध स्वरूप सर्व समाज के लोगों ने सोमवार को ईश्वर बोस्ती की अगुवाई में सदर थाना के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने थाना प्रभारी हरदयाल सिंह को ज्ञापन सौंपा और एफआईआर दर्ज करने की मांग की। सर्व समाज के सदस्य ईश्वर बोस्ती ने बताया कि सांसद रेखा शर्मा ने पंचकूला में पूर्व सीएम पर कथित तौर पर गलत टिप्पणी की थी।

राहुल गांधी बोले- सद्भाव यात्रा से हरियाणा को फायदा होगा : गुरुग्राम में बृजेंद्र सिंह के साथ 1 किमी पैदल चले; कहा- लिखकर ले लो, कांग्रेस मोदी को हराएगी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को गुरुग्राम में पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा में शामिल हुए। वह खांडसा चौक से एसडी स्कूल तक एक किलोमीटर पैदल चले। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित किया।

राहुल गांधी ने कहा, "बृजेंद्र की इस यात्रा से हरियाणा को बहुत फायदा होगा, क्योंकि इन्होंने हरियाणा के लोगों की पल्स (नब्स) सुनकर समझी। आप (बृजेंद्र) हजारों किलोमीटर चले। आपकी मेहनत सबने देखी। मेरा पूरा सपोर्ट आपके साथ है। कांग्रेस पार्टी में हमारे जो युवा नेता हैं, उन सबको जनता के बीच में इस तरह की यात्रा करनी चाहिए।"

पीएम नरेंद्र मोदी पर राहुल ने कहा- "आपका सारा डेटा नरेंद्र मोदी ने अमेरिका को पकड़ा दिया। इसके दो कारण हैं, सबसे पहला एपस्टीन फाइल। नरेंद्र मोदी की पूरी हिस्ट्री उस फाइल में है। ट्रंप कहता है कि नरेंद्र मोदी का करियर एक मिनट में खत्म कर दूंगा। दूसरा कारण अडाणी है। अमेरिका में इसके ऊपर क्रिमिनल केस है। ये केस अडाणी पर नहीं है, ये नरेंद्र मोदी पर है। मोदी और अडाणी एक हैं। कंपनी का नाम अडाणी है, लेकिन नाम मुदाणी होना चाहिए।"

राहुल गांधी ने कहा, "कुछ साल पहले हमने कन्याकुमारी से कश्मीर तक यात्रा की थी। 4000 किलोमीटर तक हम चले और हमारे साथ लाखों लोग चले थे। एक नारा था, 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोली'। यह नारा हमारा नारा नहीं था, यह नारा भीड़ से आया था। बृजेंद्र सिंह ने उसी प्रकार हरियाणा में यह यात्रा की, जनता के बीच में गए और हरियाणा की सड़कों पर चले। आपको इस यात्रा से बहुत फायदा होगा।

राहुल ने कहा- यहां (हरियाणा) का चुनाव बीजेपी ने चोरी किया। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल, असम में इन्होंने चुनाव चोरी करने का सिस्टम बना लिया। लाखों नाम काट देते हैं, नए नाम जोड़ देते हैं। आयोग इनके कंट्रोल में है, ये सोचते हैं कि हम सब कर लेंगे। हरियाणा में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी का मुद्दा है। युवाओं को डिग्री मिल जाती है, लेकिन रोजगार नहीं मिलता है। छोटी इंडस्ट्री बंद हो रही हैं।

उन्होंने आखिर में कहा- मैंने यूएस डील पर लोकसभा में भाषण दिया, अमित शाह ने चार घंटे मुझे बोलने नहीं दिया। मोदी लोकसभा से भाग गए, वह आंख से आंख नहीं मिला सके। अडाणी इनकी पूरी मार्केटिंग करता है। इनके पास ईडी है, सीबीआई है, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट है। आप लिखकर ले लो, कांग्रेस पार्टी नरेंद्र मोदी को हराएगी, फिर देखना हम नरेंद्र मोदी के खिलाफ क्या कार्रवाई करते हैं।

कुछ तो गड़बड़ है... करीब 50 मीटर क्षेत्र में सड़क 3 बार पहले धंस चुकी है

सुभाष चौक के नजदीक चौथी बार धंसी सड़क, बैरिकेड्स लगा रास्ता किया बंद

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| गुरुग्राम-सोहना रोड हाइवे पर सुभाष के नजदीक सीवर लाइन के कारण चौथी बार सड़क धंस गई। इस सड़क के धंसने की सूचना जब निर्माण कंपनी को मिली तो कंपनी कर्मचारियों ने सड़क के आधे हिस्से में बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया। हालांकि दो लेन पर ट्रैफिक चल रहा है। यह पहली बार नही है, जब गुरुग्राम में हाइवे पर सड़क धंसी है। इससे पहले करीब 50 मीटर क्षेत्र में तीन बार सड़क धंस चुकी है। यह सड़क हर साल यहां से धंस रही है। निर्माण करने वाली कंपनी के राकेश भारद्वाज ने बताया कि एक बार धंसी सड़क की मरम्मत करने पर करीब 15 लाख रुपए का खर्च आता है और साथ में वाहन चालकों की परेशानी बढ़ जाती है। लेकिन जीएमडीए व एनएचएआई के इंजीनियर इस समस्या का स्थाई समाधान नहीं कर पा रहे हैं।

गुरुग्राम-सोहना रोड का निर्माण कार्य वर्ष 2021 में पूरा हुआ था। एलिवेटेड फलाइओवर समेत पूरे रोड का निर्माण पर करीब 1944 करोड़ रुपए लागत आई थी। इसके अलावा इस रोड पर चलने वाले वाहन चालकों को सबसे महंगा टोल देना पड़ता है।

उद्घाटन के मात्र डेढ़ साल बाद से ही सड़क धंसने लगी थी

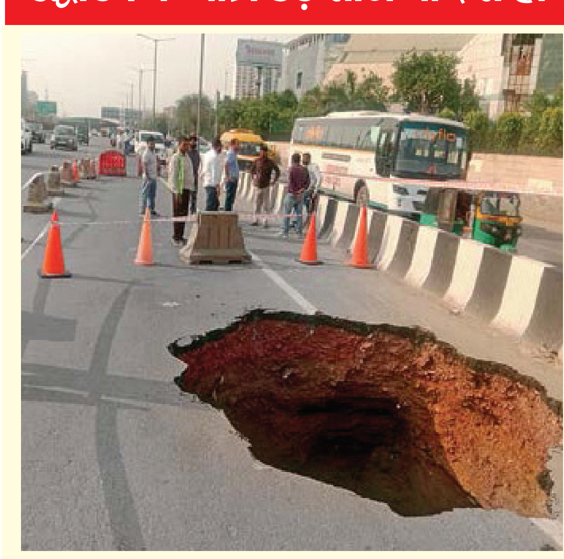

निजी कार का टोल टैक्स 20 किलोमीटर के लिए 195 रुपए है। इसके बावजूद भी यहां सड़क धंसने जैसी समस्या बनी रहती है। हरियाणा के दूसरा सबसे लंबा एलिवेटेड फ्लाई ओवर सुभाष चौक से बादशाहपुर के बीच बनाया गया है, जो 5.5 किलोमीटर का है और इस पर करीब 700 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। लेकिन उद्घाटन के मात्र डेढ़ साल बाद से ही हाइवे की सड़क धंसने लगी थी। बार-बार हाइवे सड़क धंसने से जीएमडीए व एनएचएआई के अधिकारियों पर सवाल उठते हैं। यदि यहां सीवर लाइन थी, तो इसकी पहले स्थाई व्यवस्था क्यों नहीं की गई?

15 फीट से अधिक गहरा व 8 फीट चौड़ा गड्ढा बनाः बुधवार दोपहर बाद करीब साढे तीन बजे गुरुग्राम से सोहना की ओर जाने वाले रोड पर सुभाष चौक के सोहना की ओर सड़क धंस गई। यहां पर करीब 15 फीट गहरा व आठ फीट गोलाकार गड्ढा बन गया। हालांकि पेट्रोलिंग करने वाले निर्माण कंपनी के कर्मचारियों ने यहां सड़क धंसी देखी तो तुरंत बेरिकेडिंग कर दी गई और कोन लगाए, जिससे कि वाहन बचकर निकल सके। इस बारे में ओएसई पीएल (ओरिएंटल स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड) के राकेश भारद्वाज से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह चौथी बार है, जब 180 मीटर के चैंबर के कारण सड़क नहीं बल्कि सीवर लाइन धंसी है। एक बार रिपेयर करने पर 15 लाख रुपए खर्च आता है। उन्होंने कहा कि हमारी पेट्रोलिंग के दौरान सड़क में थोड़ा गड्ढा होते ही देख लिया था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

कूड़े के कारोबार पर वर्चस्व के लिए दो गुट भिड़े, गोलियां चलीं

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| कूड़े के कारोबार पर वर्चस्व के विवाद में शुक्रवार की सुबह साउदर्न पैरिफेरल रोड (एसपीआर) रोड पर दो गुट भिड़ गए। वर्चस्व के झगड़े में लाठी-डंडों और पत्थरों के साथ कई राउंड फायरिंग भी हुई। एक युवक गोली लगने से घायल हो गया। वहीं, छह से अधिक लोगों को चोटें आईं। हालांकि, पुलिस को शिकायत न मिलने के कारण अभी तक मामला दर्ज नहीं किया गया है।

सूत्रों के मुताबिक इस टकराव के पीछे की वजह कूड़े के ढेर से होने वाली अवैध उगाही (कमीशन) है। यह विवाद कादरपुर और रिठौज गांव के दो प्रभावशाली गुटों के बीच लंबे समय से चल रहा था। सेक्टर-70 के डंपिंग साइट से होने वाली मोटी कमाई पर कब्जे को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने थे।

शुक्रवार सुबह करीब सवा 11 बजे जब दोनों गुटों का आमना-सामना एसपीआर रोड पर हुआ, तो पहले गाली-गलौज हुई और देखते ही देखते यह बहस खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। करीब 40 से 50 लोग आपस में भिड़ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावर पूरी तैयारी के साथ आए थे। उन्होंने न केवल एक-दूसरे पर हमला किया, बल्कि सड़क पर खड़ी विरोधी पक्ष की गाड़ियों को भी निशाना बनाया। हमलावरों ने लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से वार कर चार कारों के शीशे चकनाचूर कर दिए। सड़क पर चारों तरफ बिखरा गाड़ियों का कांच और खून के धब्बे उस भयावह मंजर की गवाही दे रहे थे।

दहशत फैलाने के लिए बीच सड़क पर दनादन फायरिंग की गई, जिससे राहगीरों ने दुकानों और गाड़ियों के पीछे छिपकर अपनी जान बचाई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है,ताकि मुख्य आरोपियों तक पहुंचा जा सके। पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है ताकि पहचान की जा सके कि कुल कितने लोग इसमें शामिल थे।

जिले में मुंहखुर एवं गलघोंटू रोग टीकाकरण 11 से शुरू

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| जिले में 11 मई से 11 जून तक मुंहखुर एवं गलघोंटू रोग के संयुक्त टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। उपनिदेशक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि पशुपालन विभाग गुरुग्राम की 30 टीमें घर-घर जाकर गाय एवं भैंस सहित लगभग 1 लाख 60 हजार पशुओं का टीकाकरण करेंगी। इसके साथ ही भारत सरकार द्वारा पशुपालन से संबंधित डाटा को डिजिटल किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

पत्नी संग गुरुग्राम पहुंचे शिखर धवन, 35 मिनट में बना मैरिज सर्टिफिकेट

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन पत्नी सोफी के साथ बुधवार को गुरुग्राम पहुंचे। उन्होंने मैरिज रजिस्ट्रार के दफ्तर में शादी के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद, मैरिज रजिस्ट्रार के सुपरिटेंडेंट वासुदेव ने शादी का सर्टिफिकेट जारी किया। उनके साथ परिवार के सदस्य व दोस्त भी उपस्थित रहे। करीब 35 मिनट में उन्हें शादी का सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया। शिखर धवन ने 21 फरवरी को दिल्ली-एनसीआर में एक निजी समारोह में आयरिश प्रोडक्ट कंसल्टेंट सोफी शाइन से शादी की थी।

गुरुग्राम में मानसून से पहले जलभराव से निपटने की तैयारी, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने की बैठक

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने सोमवार को गुरुग्राम में जीएमडीए और नगर निगम अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में शहर की सफाई, ड्रेनेज, सड़क, इंफ्रास्ट्रक्चर और पेयजल आपूर्ति व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। इसमें जीएमडीए के सीईओ पी.सी. मीणा और निगमायुक्त प्रदीप दहिया समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों की गति तेज की जाए और आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने विशेष रूप से मानसून से पहले जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान पर जोर दिया। ड्रेनेज व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने नालों की सफाई और डी-सिल्टिंग कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि जीएमडीए क्षेत्र में लगभग 447 करोड़ रुपए के सड़क संबंधी कार्य चल रहे हैं, जबकि 1271 करोड़ रुपए के कार्य अलॉटमेंट की प्रक्रिया में हैं।

अंडरपास में पानी निकासी की तैयारी परखी जाएगी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| मिलेनियम सिटी के 21 अंडरपास में 15 मई से मॉकड्रिल शुरू की जाएगी। इन अंडरपास का रखरखाव एनएचएआई और डीएलएफ कर रहा है। जीएमडीए की तरफ से मॉकड्रिल के दौरान इन अंडरपास में पानी निकासी की व्यवस्था की जांच की जाएगी। 15 मई को दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित एंबियंस मॉल, सुभाष चौक और शंकर चौक अंडरपास में मॉकड्रिल होगी। 18 मई को इफ्को चौक मेट्रो स्टेशन, धनवापुर और डीएलएफ साइबर सिटी अंडरपास, 19 मई को वाटिका चौक, सिग्नेचर टावर और सिकंदरपुर अंडरपास, 20 मई को राजीव चौक, मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन, डीएलएफ फेज-एक और मेदांता अंडरपास में मॉकड्रिल होगी। अलग-अलग तारीख पर 29 मई तक तैयारी परखी जाएगी। जीएमडीए के कार्यकारी अभियंता विक्रम सिंह ने बताया कि इन अंडरपास में पानी छोड़कर बारिश पानी की निकासी की व्यवस्था की जांच की जाएगी। देखा जाएगा कि कि पंपिंग मशीनरी, जनरेटर काम कर रहे हैं।

जनगणना के काम में कोताही बरतने वाले दो लोगों के खिलाफ एफआईआर की सिफारिश

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| जनगणना के काम में कोताही बरतने और सरकारी काम में बाधा उत्पन्न करने वाले दो लोगों के खिलाफ नोडल अधिकारी द्वारा एफआईआर करने की सिफारिश की गई है। नगर निगम के संयुक्त आयुक्त पुनीत कुमार ने सुपरवाइजर की ओर से प्राप्त शिकायत के आधार पर मानेसर और सेक्टर-10 थाना प्रभारी को दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की है। संयुक्त आयुक्त ने बताया कि जनगणना के कार्य में नियुक्त सुपरवाइजर द्वारा नगर निगम के संयुक्त आयुक्त और नोडल अधिकारी पुनीत कुमार को जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि गढ़ी हरसरू के जीएमपीएस स्कूल और मानेसर के सेक्टर-1 स्थित ओमपी स्कूल की स्टाफ को न्यूमरेटर नियुक्त किया गया है। इन दोनों को कई बार सूचित किया गया लेकिन दोनों ही अपने काम में कोताही बरत रहे हैं। जनगणना का काम करने से मना कर रहे हैं। इन दोनों की ड्यूटी नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में लगाई गई है। इनके कारण जनगणना जैसे महत्वपूर्ण काम में बाधा उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा पुनीत कुमार ने कहा कि जनगणना का काम करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि सोसाइटियों में उन्हें पहचान पत्र दिखाने के बावजूद अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही। इस पर उन्होंने निगम क्षेत्र की सभी सोसाइटी की आरडब्ल्यूए और प्रबंधन से अपील करते हुए कहा कि जनगणना के कार्य के लिए सरकार द्वारा अधिकारियों, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। कर्मचारियों के पहचान पत्र और लेटर की पड़ताल करने के बाद उन्हें सोसाइटी में प्रवेश करने दिया जाए। जनगणना का कार्य जनहित में किया जा रहा है।

सुल्तानपुर झील अवैध निर्माण-भूजल दोहन से सूख रही

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| सर्दियों के मौसम में सात समंदर पार से आने वाले हजारों प्रवासी पक्षियों की पसंदीदा सुल्तानपुर झील इन दिनों अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। आसपास के इलाकों में हो रहे अवैध निर्माण और बेतहाशा भूजल दोहन के कारण इस प्राकृतिक झील का दायरा लगातार सिकुड़ता जा रहा है। झील को बचाए रखने के लिए नहरी पानी और ट्यूबवेल का सहारा लेना पड़ रहा है।

पर्यावरणविद अनिल गंडास के अनुसार, सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान लगभग 350 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। करीब दो दशक पहले तक इस उद्यान में 100 एकड़ से भी ज्यादा जमीन पर प्राकृतिक रूप से पानी भरा रहता था, जबकि बाकी जमीन खाली या मैदानी थी। अब यह दायरा सिमट कर 70 एकड़ के आसपास रह गया है। यह 70 एकड़ का पानी भी अब प्राकृतिक नहीं है। झील के प्रतिबंधित दायरे में बने अवैध निर्माणों और बोरवेल पर तत्काल प्रभाव से रोक लगनी चाहिए। पक्षी प्रेमी राम कुमार ने बताया कि झील के आसपास के क्षेत्रों में हो रहा अनियंत्रित भूजल दोहन इसका सबसे प्रमुख कारण है।

पक्षी प्रेमियों के अनुसार पर्यावरण नियमों को ताक पर रखकर सुल्तानपुर झील के प्रतिबंधित क्षेत्र के आसपास 12 से अधिक अवैध कॉलोनियां बस चुकी हैं। इन कॉलोनियों में पीने के पानी और अन्य दैनिक जरूरतों के लिए कोई सरकारी लाइन नहीं है, जिसके कारण यहां रहने वाले लोग पूरी तरह से बोरवेल के सहारे हैं।

दो माह में जोहड़ को कब्जा मुक्त कराएं : राव नरबीर

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने शुक्रवार को नगर निगम मानेसर कार्यालय में बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निगम क्षेत्र में आने वाली सभी सरकारी भूमियों, जोहड़ों (तालाबों) और गांवों के मुख्य रास्तों को दो महीने में अतिक्रमण मुक्त किया जाए। मंत्री ने निर्देश दिए कि जोहड़ों का जीर्णोद्धार कर उन्हें एसटीपी के ट्रीटेड पानी से भरा जाए, ताकि इलाके के भूमिगत जल स्तर में सुधार हो सके। गर्मी में लोगों को पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही, मानसून से पहले सभी रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट्स की सफाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए। बैठक के दौरान उन्होंने जनहित के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

यमुना एक्शन प्लान के तहत 7 परियोजनाओं में संचालन व अनुपालन की जांच, नमूने भरे

द्वारका एक्सप्रेसवे स्थित ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं के एसटीपी का दौरा

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| यमुना एक्शन प्लान के तहत द्वारका एक्सप्रेसवे के आसपास स्थित सात ग्रुप हाउसिंग, आवासीय परियोजनाओं के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की कार्यप्रणाली एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन की स्थिति का आकलन किया जा रहा है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) के अधिकारियों ने बुधवार को चिह्नित परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान सेक्टर-107 स्थित एमएस कॉन्जेंट रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट, सेक्टर-102 स्थित हेरिटेज मैक्स, एमएस नानी रिसॉर्ट्स एंड फ्लोरीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड, सेक्टर-106 स्थित एमएस गोदरेज रियल व्यू डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, ईमार एमजीएफ लैंड लिमिटेड का गुरुग्राम ग्रीन्स प्रोजेक्ट, जॉयविल शेपोरजी हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड की जॉयविल ग्रुप हाउसिंग कॉलोनी तथा सेक्टर-104 स्थित एमएस फ्लोरेंटाइन एस्टेट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड का एमराल्ड बे प्रोजेक्ट शामिल हैं। सभी परियोजनाओं में स्थापित एसटीपी के इनलेट एवं आउटलेट से नमूने लिए गए। सभी नमूने को एचएसपीसीबी प्रयोगशाला भेजा गया है। वहीं, दो परियोजनाओं एमएस कॉन्जेंट रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड (वुडशायर प्रोजेक्ट), सेक्टर-107 तथा एमएस नानी रिसॉर्ट्स एंड फ्लोरीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड, सेक्टर-102 में बिना उपचारित अपशिष्ट जल के बाइपास होने की स्थिति पाई गई। इस संबंध में एमएस कॉन्जेंट रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड (वुडशायर प्रोजेक्ट) को शोकॉज किया।

बहुमंजिला पार्किंग योजना अटकने से उद्यमियों में रोष

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| उद्योग विहार के औद्योगिक क्षेत्र में उद्यमियों का बहुमंजिला पार्किंग निर्माण का इंतजार बढ़ गया है। पिछले 15 सालों से उद्यमियों की पार्किंग समस्या-ट्रैफिक जाम को दूर की मांग पूरी नहीं सकी। योजना सिरे नहीं चढ़ने से उद्यमियों में नाराजगी है। एचएसआईआईडीसी की ओर से उद्योग विहार फेज चार में करीब डेढ़ एकड़ जमीन पर बहुमंजिला पार्किंग निर्माण करने का योजना है। इसमें जमीन के नीचे तीन और पांच मंजिला होंगी। उद्योग विहार के एक से पांच फेज तक पूरी तरह पार्किंग की समस्या दूर करने की योजना है। इस योजना पर 50 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। लेकिन बहुमंजिला पार्किंग की योजना सिरे नहीं चढ़ी। इस योजना को पूरा करने में दो साल का समय लगेगा।

गुड़गांव उद्योग एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण यादव ने बताया कि बहुमंजिला पार्किंग का निर्माण कब होगा। इसके बारे में एचएसआईआईडीसी की ओर से कहा जाता है कि टेंडर प्रक्रिया शुरू की जा रही है, लेकिन सालों से बहुमंजिला पार्किंग निर्माण की मांग हो रही है। उद्योग विहार फेज चार में जमीन बहुमंजिला पार्किंग निर्माण के लिए तय की गई थी। पार्किंग न होने के कारण लोगों को गाड़ियां खड़ी करने में परेशानी हो रही।

भांगरौला में अत्याधुनिक बायोगैस प्लांट बनेगा

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर लगातार बढ़ रहे कचरे के भारी दबाव को कम करने के लिए अब शहर के गीले कचरे का इस्तेमाल ग्रीन एनर्जी बनाने में किया जाएगा। मानेसर नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव भांगरौला में करीब 100 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से एक अत्याधुनिक बायोगैस प्लांट स्थापित करने की योजना तैयार की गई है।

तहसीलों में रोजाना 45 रजिस्ट्री से कम नहीं होंगी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| गुरुग्राम में तहसीलों और उप-तहसीलों में ऑनलाइन प्रक्रिया लागू होने के बाद अब प्रतिदिन कम से कम 45 रजिस्ट्रियां करना अनिवार्य किया गया है। हरियाणा सरकार ने तहसीलों में भीड़ कम करने, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने और पेपरलेस व्यवस्था मजबूत करने के लिए यह व्यवस्था लागू की है। अब रजिस्ट्री का कार्य ऑनलाइन टोकन के आधार पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया जा रहा है। पहले यह काम दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे के बीच होता था। समय में बदलाव से लोगों को राहत मिली है। नए निर्देशों के बाद तहसीलों में रजिस्ट्री कार्य में तेजी आई है। शुक्रवार को जिले की नौ तहसीलों और उप-तहसीलों में रजिस्ट्री के लिए 707 आवेदन आए। दस्तावेज सत्यापन के बाद सभी को टोकन जारी किए गए, जिनमें से 626 रजिस्ट्रियां पूरी कर दी गईं, जबकि 81 आवेदन लंबित रहे। गुरुग्राम तहसील के नायब तहसीलदार सुरेंद्र कौशिक ने बताया कि शुक्रवार को गुरुग्राम तहसील में 80 रजिस्ट्रियां हुईं, जबकि वजीराबाद में 100 से अधिक रजिस्ट्रियां की गईं।

मंडी आदमपुर में सरपंच पद को लेकर चुनावी माहौल गरमाया, प्रत्याशियों ने झोंकी ताकत, पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भजनलाल के गढ़ में 10 मई को होगी चौधर की जंग

मोहित गोयल के समर्थन में निकली विशाल जन-जन आशीर्वाद यात्रा

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | मंडी आदमपुर में पंचायत चुनाव को लेकर चुनावी सरगर्मियां लगातार तेज होती जा रही हैं। सरपंच पद के उम्मीदवार मोहित गोयल के समर्थन में गुरुवार को एक भव्य जन-जन आशीर्वाद यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों और गणमान्य लोगों ने भाग लेकर अपना समर्थन जताया।

यह यात्रा शहर के प्रमुख बाजारों और विभिन्न गलियों से होकर गुजरी। यात्रा के दौरान समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह लोगों ने फूलमालाओं से स्वागत कर मोहित गोयल को जीत का आशीर्वाद दिया। समर्थकों ने "युवा सोच, नया जोश", "आदमपुर की एक ही आवाज — मोहित गोयल" जैसे नारों से पूरे माहौल को चुनावी रंग में रंग दिया।

मोहित गोयल ने लोगों से आशीर्वाद मांगते हुए कहा कि यदि जनता उन्हें सेवा का अवसर देती है तो मंडी आदमपुर के विकास, स्वच्छता, युवाओं के रोजगार और मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पंचायत में पारदर्शिता और विकास उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

आशीर्वाद यात्रा में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। पूरे क्षेत्र में चुनावी माहौल गर्म नजर आया और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

चौधर के दावेदार : विकास और मूलभूत सुविधाओं के नाम पर मांगे जा रहे वोट

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | पूर्व मुख्यमंत्री चौ. भजनलाल के गढ़ माने जाने वाले मंडी आदमपुर में पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। गांव की सरकार चुनने के लिए चुनावी रण पूरी तरह सज चुका है और सरपंच पद के उम्मीदवार लगातार जनसंपर्क अभियान में जुटे हुए हैं। गांव की चौधर के लिए इस बार मुकाबला बेहद रोचक माना जा रहा है।

मंडी आदमपुर के वार्ड नंबर 6 व जवाहर नगर वार्ड नंबर 5 में कई प्रत्याशी मैदान में उतर चुके हैं, जिसके चलते चुनावी माहौल दिन-प्रतिदिन गर्माता जा रहा है। प्रत्याशी घर-घर जाकर वोटरों से समर्थन मांग रहे हैं और अपने पक्ष में माहौल बनाने में जुटे हैं। राजनीतिक दृष्टि से अहम माने जाने वाले इस चुनाव में पूर्व मंत्री परिवार से जुड़े लोगों की भी सक्रियता देखने को मिल रही है। कई वरिष्ठ नेता और समर्थक चुनाव प्रचार में पहुंचकर अपने-अपने उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल तैयार कर रहे हैं। गांव में जगह-जगह बैठकों और नुक्कड़ सभाओं का दौर लगातार जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि इस बार का चुनाव विकास, साफ-सफाई, पेयजल और मूलभूत सुविधाओं जैसे मुद्दों पर लड़ा जा रहा है। गांव की चौपालों में सुबह से देर रात तक चुनावी चर्चाओं का दौर जारी है और हर कोई 10 मई के फैसले का इंतजार कर रहा है। अब देखना दिलचस्प होगा कि मंडी आदमपुर की चौधर आखिर किसके सिर सजती है।

लड्डुओं से तोलकर सरपंच प्रत्याशी सलमा जाणी का किया भव्य स्वागत

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | जवाहर नगर, मंडी आदमपुर से सरपंच पद की उम्मीदवार श्रीमती सलमा जाणी धर्मपत्नी श्री कुलदीप जाणी का मोहल्लावासियों द्वारा लड्डुओं से तोलकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान क्षेत्र में चुनावी उत्साह चरम पर दिखाई दिया और समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए अपना समर्थन व्यक्त किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और बुजुर्ग मौजूद रहे। लोगों ने सलमा जाणी को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प लेते हुए हर कदम पर साथ देने का भरोसा दिलाया। समर्थकों का कहना था कि सलमा जाणी क्षेत्र की समस्याओं को भली-भांति समझती हैं और विकास कार्यों को प्राथमिकता देंगी।

इस अवसर पर सलमा जाणी ने क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का स्नेह और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चुनाव जीतने के बाद क्षेत्र के विकास और जनसेवा के लिए पूरी ईमानदारी से कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पूरे मोहल्ले में उत्साह का माहौल बना रहा तथा लोगों ने फूल-मालाओं और मिठाइयों के साथ स्वागत कर अपना समर्थन जताया।

शहर की सड़कों और घरों में लगे कचरे के ढेर, निगम के अन्य काम भी ठप, आमजन लगा रहे दफ्तरों के चक्कर

हिसार (राजधानी चौपाल) | शहर में लगातार सफाई और कूड़े का उठान न होने से शहर की सड़कों की हालत बिगड़ चुकी है। शहर के साफ सफाई को लेकर तो हालात ऐसे हैं ही निगम कार्यालय से जुड़े दूसरे काम भी ठप हो गए हैं। आमजन निगम कार्यालय के लगातार चक्कर लगा रहे हैं। शहर का कोई भी कोना ऐसा नहीं बचा जहां कूड़े के ढेर न लगे हों। शहर की मुख्य सड़कों और घरों में तक कचरा सड़ रहा है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि शहर की पॉश कॉलोनियों की सड़कें अब नगर निगम के डंपिंग स्टेशन जैसी नजर आने लगी हैं। कूड़े के ढेर के पास से निकलना मुश्किल हो गया है। आसपास बदबू फैली है।

घरों का कचरा सड़कों पर पीएलए आईडब्ल्यूए के प्रधान सतपाल ठाकुर का कहना है कि लोगों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। लोग घरों में कब तक गंदगी सहेज कर रखेंगे? मजबूरी में अब लोगों ने पॉलिथीन में कचरा भरकर सड़कों पर फेंकना शुरू कर दिया है, जिससे महामारी फैलने का खतरा पैदा हो गया है। जनता के जन्म प्रमाण-पत्र, टैक्स, नक्शा सहित अन्य जरूरी काम भी नहीं हो पा रहे। कर्मचारियों की मांगें जायज हैं, लेकिन इस तरह से आमजन को परेशान करना गलत है।

इधर, नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की हिसार इकाई की हड़ताल के चलते बुधवार को आक्रोश दिखा। अप्रैल माह का वेतन न मिलने से नाराज कर्मचारियों ने निगम कार्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। यूनिट प्रधान सुरेंद्र उर्फ गोलू और जिला प्रधान सनी सारसर ने ऐलान किया कि हड़ताल अब 7 तारीख तक बढ़ा दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने और वेतन बढ़ाने की मांगें नहीं मानीं तो इसे बेमियादी हड़ताल में बदल दिया जाएगा। प्रदर्शन की अध्यक्षता इकाई प्रधान सुरेंद्र उर्फ गोलू ने की, जिला प्रधान सनी सारसर, इकाई सचिव अनिल डोली, वरिष्ठ उप प्रधान धर्मपाल, फायर के हिसार जिला प्रधान राजेश महला मनदीप, संदीप, सोमबीर, बक्शीश, विजेंद्र व अन्य पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।

नगर निगम व अग्निशमन कर्मचारियों की हड़ताल को रिटायर्ड कर्मचारी संघ का समर्थन

हिसार (राजधानी चौपाल) | रिटायर्ड कर्मचारी संघ, हरियाणा की हिसार जिला इकाई ने नगर परिषद एवं अग्निशमन कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर की जा रही हड़ताल को अपना समर्थन देते हुए हर संघर्ष में पूरा साथ देने का आश्वासन दिया है। प्रेस को जारी बयान में संघ के जिला अध्यक्ष मनोहर लाल जाखड़, सचिव नरेश गौतम, राज्य उपप्रधान ओमप्रकाश सैनी व निर्मला देवी ने संयुक्त बयान में कहा है कि सरकार इन आंदोलनरत कर्मचारियों की लम्बित मांगों को शीघ्र पूरा करे ताकि प्रदेश में चल रहा गतिरोध समाप्त हो सके। संघ नेताओं ने कहा कि प्रदेश भर में पालिका, परिषद व निगम कर्मचारी लम्बे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं लेकिन सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही। संघ के जिला अध्यक्ष मनोहर लाल जाखड़, सचिव नरेश गौतम, राज्य उपप्रधान ओमप्रकाश सैनी व निर्मला देवी आदि मुख्य रूप से मौजूद थी।

सफाई कर्मियों की मांगों को तुरंत पूरा करे सरकार : किरमारा

हिसार (राजधानी चौपाल) | इनेलो के प्रदेश सचिव दलबीर किरमारा ने नगर निगम में पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से हड़ताल पर चल रहे कर्मचारियों की मांगों को तुरंत पूरा करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी जिद्द के चलते न केवल इन कर्मचारियों के प्रति संवेदनहीनता बरत रही है बल्कि शहरों की सफाई व्यवस्था भी चरमरा गई है। दलबीर किरमारा शुक्रवार को पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता के आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे निगम के सफाई कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नगर निगम के सफाई कर्मचारी महत्वपूर्ण कड़ी है। इनकी हड़ताल को एक सप्ताह से ज्यादा समय हो गया है और शहर में जगह-जगह कूड़े के ढ़ेर लग गए हैं। ऐसे में हमें भी और सरकार को भी समझ आ जाना चाहिए कि सफाई कर्मचारियों का कार्य कितना जरूरी व महत्वपूर्ण है।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते नरक जैसे हुए हालात : राजेन्द्र सोरखी

हांसी (राजधानी चौपाल) | आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में पिछले 8 दिनों से चल रही सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते चरमराई सफाई व्यवस्था के लिए हरियाणा सरकार को जिम्मेवार ठहराते हुए मुख्यमंत्री से सफाई कर्मचारियों से बातचीत करके उनकी सभी जायज मांगों को पूरा करने की मांग की है। प्रेस को जारी बयान में पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते सभी शहरों में नारकीय हालात बन गए हैं। कोई गली-मोहल्ला या सड़क ऐसी नहीं है, जहां गंदगी के ढेर दुर्गंध ना मार रहे हो, यही हाल रहे तो गर्मी में दुर्गंध के कारण महामारी फैलने का खतरा उत्पन्न हो जाएगा। सरकार कर्मचारियों के साथ-साथ जनता के स्वास्थ्य से भी खिलवाड़ कर रही है। हड़ताल के कारण प्रदेश भर की सभी नगर पालिकाओं, नगर परिषदों व नगर निगमों में काम ठप्प पड़ा है।

न्यूज ब्रीफ

पोस्टरों और स्लोगनों के माध्यम से दर्शाया मातृत्व की महत्ता, त्याग, प्रेम एवं स्नेह

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | शांति निकेतन पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों में मातृ सम्मान, संवेदनशीलता तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मातृत्व की महत्ता, मां के त्याग, प्रेम एवं स्नेह को सुंदर पोस्टरों और प्रभावशाली स्लोगनों के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए रंग-बिरंगे पोस्टरों एवं प्रेरणादायक नारों ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय चेयरमैन पपेंद्र ज्याणी, डायरेक्टर अनिरुद्ध बिश्नोई तथा प्रिंसिपल राजेन्द्र ने विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, संस्कारों तथा अभिव्यक्ति कौशल का विकास करती हैं।

जैन गर्ल्स स्कूल में मदर्स-डे बड़े उत्साह, खुशी और भावात्मक माहौल के साथ मनाया गया

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | जैन गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मदर्स-डे बड़े उत्साह, खुशी और भावात्मक माहौल के साथ मनाया गया। स्कूल की प्रबंधन कमेटी के सदस्य भी कार्यक्रम में उपस्थित हुए। इस विशेष अवसर पर विद्यालय द्वारा सभी माताओं को आमंत्रित किया गया ताकि वे अपने बच्चों के साथ इस यादगार दिन का आनंद ले सकें। विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम सम्मान और अपने भाव व्यक्त करते हुए दिल को छू देने वाली अनेक सुंदर प्रस्तुतियां दी। बच्चों ने कविता, भाषण, गीतों और नृत्य ,नाटक के माध्यम से अपने भावों को प्रकट किया जिसे देखकर सभी भावुक हो गए। माताओं ने भी कार्यक्रम में नृत्य एवं विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर कार्यक्रम को और अधिक मनोरंजक बना दिया। स्कूल प्रधानाचार्या ने मां के महत्व के बारे में बताया कि मां का प्यार जीवन का सबसे बड़ा आशीर्वाद होता है और हमें हमेशा अपनी मां का सम्मान करना चाहिए।

मंगाली कॉलेज में दाखिला प्रक्रिया शुरू : प्राचार्या अंजू

हिसार (राजधानी चौपाल) | उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा ने सत्र 2026-27 के लिए कॉलेजों में दाखिले की ऑनलाइन प्रक्रिया का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके तहत कॉलेजों में दाखिला प्रक्रिया गुरुवार 7 मई से शुरू हो चुकी है। दो जून को सभी आवेदकों की सूची प्रदर्शित की जाएगी 19 मई से 6 जून तक कॉलेजों की ओर से दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन किया जाएगा। पहले चरण की काउंसलिंग के तहत 10 जून को पहली प्रोविजनल मेरिट लिस्ट और 11 जून को पहली फाइनल मेरिट लिस्ट प्रदर्शित की जाएगी। कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर अंजू चौधरी ने विद्यार्थियों से अपील की कि विद्यार्थी समय रहते ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। इसके लिए मंगाली कॉलेज में एक डेडीकेटेड कंप्यूटर सेल का गठन किया गया है जो विद्यार्थियों को निशुल्क आवेदन करने की सुविधा प्रदान करता है। ऐसे में आवेदन करने के लिए सीएससी सेंटर में जाने की आवश्यकता नहीं है। कॉलेज की मीडिया प्रभारी डॉ. कमलप्रीत कौर ने बताया कि महाविद्यालय के नए भवन का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और सभी शैक्षणिक सुविधाओं के साथ कॉलेज के नए भवन में कक्षाएं शुरू होने की प्रबल संभावना है।

शिक्षिका सोनिया हत्याकांडः हत्यारोपी की गिरफ्तारी के लिए शहर की सड़कों पर उतरे लोग, केंडल लेकर निकाला मार्च

हिसार (राजधानी चौपाल) | सेक्टर 13 की कोठी नंबर-260 में शिक्षिका सोनिया आनंद मर्डर केस में 6 दिन से फरार हत्यारोपी पति सौरभ आनंद को हिसार पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है। गिरफ्तारी के लिए गठित एसआईटी की 6 टीमें दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। लगातार उसकी तलाश की जा रही है। इधर हत्यारोपी पति की गिरफ्तारी न होने से मृतका के परिवार के साथ शहर के सामाजिक संगठनों ने केंडल मार्च निकालकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल हर शख्श की एक ही डिमांड थी कि आरोपी जल्द गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाए।

डीएसपी किशोरी लाल की नेतृत्व गठित एसआईटी में शामिल 6 पुलिस टीमें लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हैं। पुलिस की टीमों को दिल्ली में आरोपी के सुराग मिले थे। हालांकि पुलिस अभी तक आरोपी तक नहीं पहुंच सकी। लेकिन इसके बाद भी पुलिस की टीमें हत्यारोपी की तलाश में दिल्ली में ही डेरा डाले है। पुलिस की तरफ से दावा किया जा रहा कि जल्द उसे गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। परिवार के लोग इस घटना में किसी अन्य की संलिप्ता जता रहे हैं।

हत्यारोपी की गिरफ्तारी के लिए हाथों में कैंडल थामे सैकड़ों लोगों ने निकाला मार्च, सोनिया हत्याकांड में शामिल हत्यारोपी की गिरफ्तारी के लिए हाथों में केंडल लेकर सैकड़ों लोग संत नगर स्थित बाबा बंदा बहादुर गुरुद्वारा के सामने एकत्र हुए। इसमें शहर के सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए। हाथों में केंडल लेकर गुरुदारे से निकला मार्च राजगुरु मार्केट, नागोरी गेट, से होते हुए पारिजात चौक पहुंचा। इस दौरान लोगों के बैनर लिए जिसमें लिखा था, सोनिया को न्याय दो, हत्यारों को गिरफ्तार करों, पुलिस की ढिलाई बंद हो,। मार्च में मृतका का मामा बिशंभर और बेटी के साथ अन्य परिजन शामिल रहे।

रिश्तों की पाठशाला में 'मां' को नमन : गुरु द्रोणाचार्य स्कूल में बच्चों ने गीतों और नृत्य से जीता माताओं का दिल

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | स्थानीय गुरु द्रोणाचार्य इंटरनेशनल स्कूल में मातृत्व के प्रेम, त्याग और ममता को समर्पित "मदर्स डे समारोह" बड़े ही हर्षोल्लास एवं भावनात्मक माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यालय परिसर रंग-बिरंगी सजावट और विद्यार्थियों के उत्साह से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मां के प्रति अपना प्रेम और सम्मान व्यक्त किया। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। रंग-बिरंगी वेशभूषा में बच्चों ने "मां" को समर्पित गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां देकर उपस्थित माताओं और अभिभावकों का दिल जीत लिया। विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

वरिष्ठ विद्यार्थियों ने मां की ममता, त्याग और समर्पण पर आधारित मधुर गीत प्रस्तुत कर माहौल को भावुक बना दिया। वहीं सोलो और ग्रुप डांस ने समारोह में ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मां के महत्व पर अपने विचार भी साझा किए और बताया कि मां ही बच्चे की पहली गुरु एवं सबसे बड़ी प्रेरणा होती है।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से माताओं के सम्मान में विशेष गतिविधियों का आयोजन भी किया गया, जिनमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित माताओं ने अपने बच्चों की प्रस्तुतियों को देखकर गर्व और खुशी व्यक्त की। समारोह में विद्यालय प्रबंधन के चेयरमैन भूपसिंह ज्याणी, निदेशक अजय ज्याणी एवं प्राचार्या डॉ. अमिता ग्रेवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए सभी मातृ शक्तियों को मदर्स डे की शुभकामनाएं दीं।

फर्जी वोटिंग की आशंका को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग सख्त, पर्यवेक्षक ने डीसी व आरओ से मांगी रिपोर्ट

पंचकूला नगर निगम मतदाता सूची की रात भर 70 कर्मियों ने की जांच, 3 हजार से ज्यादा मतदाताओं की डबल एंट्री मिली

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| पंचकूला नगर निगम वोटर लिस्ट में आठ हजार से ज्यादा मतदाताओं की डबल एंट्री को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए गए मुद्दे में राज्य निर्वाचन आयोग ने जांच के लिए डीसी को निर्देश दिए हैं। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस की तरफ से सौंपी गई लिस्ट की सुबह चार बजे तक जांच हुई। इसके लिए 70 कर्मचारियों की टीम बनाई गई थी। सूत्रों का कहना है कि इसमें तीन हजार से ज्यादा मतदाताओं की डबल एंट्री मिली है। वहीं, इस मामले में पर्यवेक्षक डी. सुरेश ने भी पंचकूला डीसी और आरओ से रिपोर्ट मांगी है। हालांकि देर शाम तक रिपोर्ट नहीं पहुंची थी।

सूत्रों का कहना है कि राज्य निर्वाचन आयोग में यह चर्चा हुई है कि जो भी संदिग्ध मतदाताओं के नाम हैं, या किसी को डबल एंट्री है तो उसको वोटर लिस्ट में हाई लाइट कर दिया जाए। ताकि बूथ में उस नाम से कोई वोट डालने आता है तो अलर्ट रहे। फर्जी वोटिंग की आशंका को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग सख्त है।

आयुक्त बोले - डीसी को दिए हैं जांच के आदेश : हरियाणा राज्य निर्वाचन आयुक्त देवेंद्र सिंह कल्याण ने कहा, 'आयोग स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है।' कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन का उल्लेख करते हुए कहा कि नगर निगम पंचकूला की मतदाता सूची में 17,086 मतदाताओं की प्रविष्टियों को डुप्लीकेट व एक ही नाम से बताया गया था। उन्होंने कहा कि उक्त ज्ञापन में लगभग 17 हजार प्रविष्टियों का उल्लेख किया गया, जबकि केवल 8,543 मतदाताओं की सूची ही उपलब्ध करवाई गई। यह ज्ञापन निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त हुआ है, विशेष रूप से तब जबकि राजनीतिक दल निर्धारित अवधि के भीतर दावा, आपत्ति व अपील प्रस्तुत कर सकते थे, फिर भी मतदाता सूचियों की शुचिता बनाए रखने के उद्देश्य से उक्त ज्ञापन का संज्ञान लिया गया है। उपायुक्त पंचकुला को ऐसे प्रविष्टियों का पुनः सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें। उक्त 8.543 प्रविष्टियों की जांच-पड़ताल के बाद ज्ञापन में दिए गए तथ्यों की जांच करते हुए उपायुक्त को विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

पार्टियों को भेजी थी सूची, किसी ने नहीं जताई आपत्ति : आयोग का कहना है कि मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में पूरी सावधानी बरती गई है, फिर भी आयोग संभावित त्रुटि को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। मतदाता सूची में प्रविष्टियां दर्ज करने में किसी भी राजनीतिक दल की कोई भूमिका नहीं होती। राजनीतिक दल केवल दावा, आपत्ति एवं आवश्यक होने पर अपील प्रस्तुत कर सकते हैं। 16 मार्च तक उपायुक्त के समक्ष अपील दायर की जा सकती थी। अंतिम मतदाता सूची 27 मार्च को सभी राजनीतिक दलों को भेज दी गई थी। अधिसूचना में निर्धारित अवधि के दौरान किसी भी राजनीतिक दल द्वारा डुप्लीकेट व एक जैसे मतदाताओं संबंधी कोई आपत्ति या सूची उपलब्ध नहीं करवाई गई। साथ ही, 22 अप्रैल को आयोजित सर्वदलीय बैठक में भी कांग्रेस पार्टी द्वारा इस संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया गया।

रेवाड़ी में पटौदी विधायक बोलीं- भाजपा जिताओ, शादी करवाओ : रेवाड़ी नगर परिषद चुनाव में भाजपा और कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा प्रत्याशी विनीता के पक्ष में प्रचार के लिए प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव मैदान में उतरीं। पटौदी से विधायक बिमला चौधरी भी रेवाड़ी पहुंचीं। पत्रकारों से बातचीत में बिमला चौधरी ने कहा, 'हम अब आगे के लिए ये कह रहे हैं कि शहर में कोई भी कुंवारा नहीं रहेगा। पहले भाजपा को वोट करो। फिर अपनी शादी करवाओ।' उनके इस बयान ने सियासी गलियारों में चर्चा बढ़ा दी है।

सांपला तक मेट्रो विस्तार पर केंद्र से संपर्क में सरकारः नायब सैनी

रोहतक /सांपला| सीएम नायब सैनी ने गुरुवार को सांपला नगरपालिका चुनाव प्रचार में कहा कि सरकार सांपला तक मेट्रो विस्तार के लिए केंद्र से लगातार संपर्क में है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी प्रवीण कोच को भारी मतों से जिताने की अपील की। सैनी ने दावा किया कि भाजपा अपने चुनावी संकल्प पूरे करती है और 217 में से 63 संकल्प पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार बनने पर सांपला में विकास तेज होगा। वहीं, उकलाना में भाजपा की चेवरमैन प्रत्याशी निकिता गोयल के समर्थन में सीएम ने जनसभा को संबोधित किया।

हरियाणा असुरक्षित राज्य, भाजपा सरकार से पीछा छुड़वाओः हुड्डा

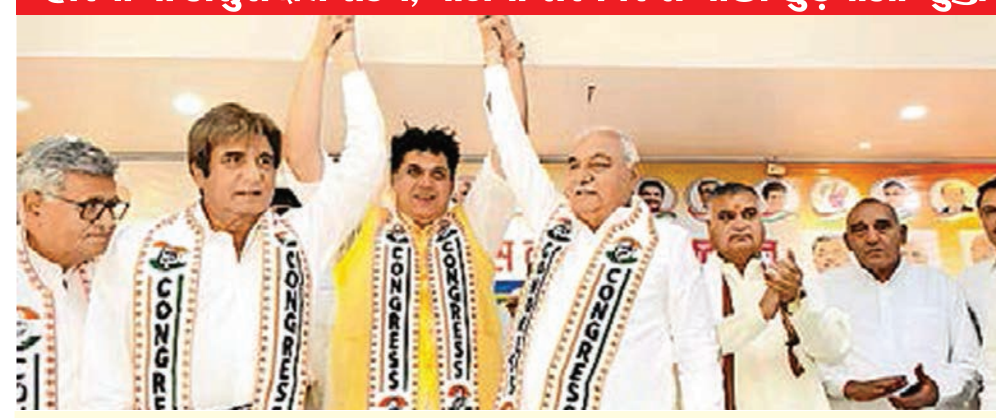

सोनीपत| पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने सोनीपत में क्रार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा पर निशाना साधा। कहा, हरियाणा अपराध, बेरोजगारी, महंगाई व प्रदूषण में नंबर वन बन गया है। ऐसी सरकार से पीछा छुड़वाओ। उन्होंने दावा किया कि सिर्फ सोनीपत ही नहीं बल्कि तीनों नगर निगमों में कांग्रेस की बंपर जीत होने जा रही है। प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश के विकास के लिए कुछ नहीं किया है। नगर निगम को नरक निगम बना दिया, यहां पर भ्रष्टाचार का वोलबाला है। वहीं, कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने कहा कि भाजपा झूठे वादे करके मतदाताओं को गुमराह करती है।

पानीपत में हाईवे पर रुकी कार को बचाने के चक्कर में हादसा : काफिले की गाड़ियां टकराईं, एयरबैग खुलने से मंत्री पंवार बाल-बाल बचे, चोटें आईं

पानीपत (राजधानी चौपाल) | पानीपत में कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। एयरवेग खुलने से वे बाल-बाल बच गए। दोनों घुटनों व हाथ में चोट आई है। उन्हें नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से बाद में छुट्टी दे दी गई। पायलट इंचार्ज विकास ने बताया कि मंत्री अम्बाला से सोनीपत जा रहे थे। तभी कार सड़क पर रोकी हुई थी। उसे बचाने के लिए बोलेरो के अचानक ब्रेक लगाए तो मंत्री की इनोवा गाड़ी बोलेरो में जा टकराई।

जजपा-पुलिस मामले में हाई कोर्ट ने रिपोर्ट मांगी, 22 मई को सुनवाई

हरियाणा सरकार-केंद्र सरकार और सीबीआई को नोटिस, पूछा-पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला को जांच में क्यों नहीं बुलाया

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की याचिका पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने गुरुवार को हरियाणा सरकार, केंद्र सरकार और सीबीआई को नोटिस जारी कर विस्तृत जवाब तलब किया है। हाई कोर्ट ने संबंधित पक्षों से पूछा कि जांच की वर्तमान स्थिति क्या है और याचिकाकर्ता को अब तक जांच प्रक्रिया में किस आधार पर शामिल नहीं किया गया? अगली सुनवाई 22 मई के लिए तय की गई है।

सुनवाई के दौरान दुष्यंत चौटाला के वकील ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता जांच में पूरा सहयोग देने को तैयार हैं, लेकिन जांच कर रही एसआईटी ने उन्हें अब तक नोटिस जारी नहीं किया है। उन्हें न तो पूछताछ के लिए बुलाया गया और न ही कोई सूचना दी गई। याचिका में कहा गया कि जांच एजेंसियों का यह रवैया उनकी पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस ने निष्पक्ष कार्रवाई के बजाय उनके परिजनों और समर्थकों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कर दबाव बनाने की कोशिश की है। 7 अप्रैल की एक घटना के आधार पर दर्ज एफआईआर को उन्होंने बदले की कार्रवाई बताया। चौटाला का दावा है कि उनके साथ हुई बदसलूकी की घटना पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। दुष्यंत चौटाला ने याचिका में आरोप लगाया है कि 17 अप्रैल 2026 को हिसार में एक सफेद बोलेरो ने उनके काफिले को रोका था। सिविल ड्रेस में पुलिस अधिकारियों ने उनके सुरक्षाकर्मियों को धमकाया।

पंडित-मौलवी भी दिलाएंगे बेटियों को बचाने का संकल्प

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा सरकार ने प्रदेश में लिंगानुपात में सुधार व कन्या भ्रूण हत्या को जड़ से खत्म करने के लिए अभियान को और तेज कर दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने राज्य स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में निर्देश दिए कि अब विवाह संपन्न कराने वाले पंडित, मौलवी व ग्रंथी भी नवविवाहित जोड़ों को कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध संकल्प दिलाएंगे।

अवैध लिंग जांच रोकने के लिए सरकार ने पुलिस, स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया है। डॉ. मिश्रा ने एमटीपी किट की अवैध बिक्री रोकने के लिए मेडिकल स्टोरों की नियमित जांच और बिना अनुमति चल रहे अस्पतालों पर नकेल कसने के निर्देश दिए।

पश्चिम बंगाल में 50 वर्षों का मूल पाट्या, अब पंजाब की आएगी बारी : नायब सैनी

सोनीपत (राजधानी चौपाल) | सीएम नायब सैनी ने सोमवार को नगर निगम चुनाव प्रचार के तहत शहर में भाजपा के 22 वार्ड पार्षदों व मेयर प्रत्याशी के लिए 22 जगह सभाएं कीं। उन्होंने प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं को गिनाते हुए विपक्ष पर तंज कसे। वहीं, पश्चिम बंगाल में जीत पर खुलकर बोले। सीएम ने हरियाणवी में कहा कि पश्चिम बंगाल में 35 साल कम्युनिस्ट और 15 साल से टीएमसी को मिलाकर 50 साल का मूल सा पाट्या है। अब पंजाब की बारी आएगी। सीएम ने तंज कसते हुए कहा कि पंजाब वाले को तो 5 बजे के बाद पिंड मित्रां दा दिखने लगता है।

सीएम नायब ने कहा कि कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी के लोग, झूठे चुनावी वादे करते हैं। हिमाचल में महिलाओं को 1,500 रुपए देने का वादा किया। पंजाब में भी एक हजार रुपए देने की घोषणा की थी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि भाजपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान लिए गए 217 संकल्पों में से 63 को सरकार ने डेढ़ साल में पूरा कर दिया है, बाकी पर काम जारी है। सीएम ने कहा कि निकाय चुनाव में ट्रिपल इंजन सरकार बनाकर विकास को तीन गुना रफ्तार देने का समय आ गया है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सीएम ने उसे महिला विरोधी बताया।

रिपोर्ट में लिखा- शहरों में विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी भी अलग-अलग एजेंसियों में बंटी है

मेयर की पावर पर सवाल; नीति आयोग ने कहा-शहर की सत्ता मेयर के पास हो, आयुक्त देख-रेख में करें काम

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा में अम्बाला शहर, पंचकूला व सोनीपत में निकाय चुनाव को लेकर सियासत गर्म है। इस बीच, सामने आया है कि हरियाणा समेत अनेक राज्यों में नगर निगम में मेयर के पास पर्याप्त पावर नहीं है। यहां तक कि शहरों में विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी भी अलग-अलग एजेंसियों में बंटी हुई हैं। नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मेयर को शहर की सरकार का प्रमुख होना चाहिए। हरियाणा की बात करें तो न तो यहां मेयर के पास वित्तीय पावर है और न ही कोई अन्य पावर। यहां आयुक्त के पास सबसे ज्यादा पावर है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरी शासन के लिए नगर निगम के भीतर कार्यकारी सत्ता स्पष्ट रूप से मेयर के पास होनी चाहिए, जिसमें आयुक्त, मेयर की देख-रेख व निर्धारित रिपोटिंग के तहत काम करें। नगर निगमों में 'मेयर-इन-काउंसिल' की व्यवस्था होनी चाहिए। मेयर को शहर की सरकार का प्रमुख घोषित किया जाए। राज्य सरकारों को अपने कानूनों में संशोधन करके मेयर, निगम आयुक्त की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना चाहिए।

समय पर चुनाव न होने पर जताई चिंता : रिपोर्ट में यह बताया गया कि 17 राज्यों में 61% से अधिक शहरी स्थानीय निकायों में चुनाव विलंबित हुए। हरियाणा में नगर निकाय के चुनाव में देरी पर आपत्ति जताई थी। लिखा गया था कि चुनाव न होने की वजह से शहरों को फंड भी नहीं मिला। सिफारिश की गई कि राज्य सरकारों को समय-बद्ध चुनावों को अनिवार्य बनाने के लिए अपने राज्य नगरपालिका अधिनियमों या अन्य संबंधित कानूनों में संशोधन करना चाहिए।

शहरी प्लानिंग, सड़कें जैसी पावर नहीं : राज्यों में ज्यादातर ठोस कचरा प्रबंधन और शहरी सुविधाओं जैसे काम नगर निकायों को सौंप दिए हैं। वहीं शहरी प्लानिंग, सड़कें, पानी और जमीन के इस्तेमाल व इमारतों की मंजूरी और आय जैसे कई जरूरी काम अभी भी राज्य सरकारों या उनकी सहायक संस्थाओं के पास है। निगमों को पानी की आपूर्ति, बस सेवाएं, सफाई, ठोस कचरा प्रबंधन व अग्निशमन सेवाओं को नियंत्रण दिया जाना चाहिए। हरियाणा में अभी 87 नगर निकाय है। इनमें 11 नगर निगम तो 25 नगर परिषद और 51 नगर पालिकाएं हैं। राज्य की करीब 35% आबादी इन शहरों में रहती है।

पूर्व मेयर मनमोहन गोयल ने बतया कि राज्य में अभी शहरों में अलग-अलग एजेंसियों के पास काम है। नगर निगम मेयर को और पावर देने की जरूरत है। अभी लगभग सभी पावर आयुक्त के पास होती है। नगर निगमों को पानी, ट्रैफिक जैसी पावर भी मिल जाए तो संभालना मुश्किल हो जाएगा। क्योंकि पैसा इतना नहीं है।

आयोग ने ये काम निकायों को सौंपने की सिफारिश की

आयोग ने शहर की प्लानिंग, भूमि उपयोग और भवनों के निर्माण की मंजूरी, आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए प्लानिंग इसके अलावा सड़कें-पुल, घरेलू, औद्योगिक और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए के लिए जल आपूर्ति, सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वच्छता, सफाई और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, अग्निशमन सेवाएं, शहरी वानिकी, पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिक पहलुओं को बढ़ावा देना, समाज के कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा करना, शहरी सुख-सुविधाओं जैसे पार्क, बगीचे और खेल के मैदान जैसे कार्य इनके अलावा सांस्कृतिक, शैक्षिक और सौंदर्यपरक पहलुओं को बढ़ावा देना, जन्म और मृत्यु का पंजीकरण, सार्वजनिक सुविधाएं, बूचड़खानों व चमड़ा कारखानों की मंजूरी समेत 18 कामों को नगर निकायों को देने की सिफारिश की है।

सच बोलने की हिम्मत
राजधानी चौपाल
आपकी आवाज, आपके क्षेत्र की पहचान
गांव, कस्बे और शहर की
हर छोटी-बड़ी खबर
अब पहुंचेगी ज्यादा लोगों तक!
क्या आप चाहते हैं कि आपके क्षेत्र की समस्याएं, उपलबधियां, सामाजिक कार्यक्रम, व्यापारिक गतिविधियां और जनहित के मुद्दे अधिक लोगों तक पहुंचें ?
राजधानी चौपाल
बन रहा है आपके क्षेत्र की मजबूत आवाज।
क्यों जुड़ें राजधानी चौपाल से?
स्थानीय खबरों को मिलता है प्रमुख स्थान
व्यापार और प्रतिष्ठान को मिलता है प्रभावी प्रचार
सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को मिलती है पहचान
जनता की आवाज पहुंचती है प्रशासन और जनप्रतिनिधियों तक
अपने व्यापार को दें नई पहचान
दुकान | शोरूम | संस्थान | कोचिंग | सेवा केंद्र | कार्यक्रम | विशेप ऑफर
अपने विज्ञापन के माध्यम से सीधे जुड़िए स्थानीय पाठकों से और बढ़ाइए अपने व्यवसाय की पहुंच।
आपका प्रचार, आपकी पहचान, हमारा वादा!
आज ही विज्ञापन बुक करें
लक्षित पाठक वर्ग तक सीधी पहुंच
व्यापार में वृद्धि और ब्रांड पहचान
विश्वसनीय मंच आपके संदेश के लिए
नियमित पाठक, स्थायी प्रभाव
संपर्क करें: 94169-26329, 93068-13001
rajdhanichoupal@gmail.com

संपादकीय...

राजधानी में लू का रेड अलर्ट और वर्तमान स्थिति

दिल्ली और आसपास के इलाकों में सूरज के तेवर तल्ख हो गए हैं और लू ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित करना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले सप्ताह में तापमान में और अधिक वृद्धि होने की संभावना है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ऐसी स्थिति में सावधानी और सतर्कता ही हमारे परिवार को सुरक्षित रख सकती है। गर्म हवाओं के कारण शरीर की ऊर्जा जल्दी समाप्त हो रही है, जिससे लोग हीट एग्जॉस्ट का शिकार हो रहे हैं। सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है और प्रशासन ने भी स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं।

दोपहर के समय घर से बाहर निकलना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है, इसलिए बहुत जरूरी होने पर ही 12 से 4 बजे के बीच बाहर जाएं। बाहर निकलते समय हमेशा सिर को सूती कपड़े या छाते से ढंककर रखें और आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मे का प्रयोग करें। सिंथेटिक कपड़ों के बजाय हल्के रंग के सूती और ढीले कपड़े पहनना शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने में सहायक होता है। त्वचा को सीधी धूप से बचाने के लिए सनस्क्रीन या पूरी आस्तीन के कपड़ों का चुनाव करें, क्योंकि 'सनबर्न' की समस्या तेजी से बढ़ रही है।

भीषण गर्मी में शरीर में पानी की कमी सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरती है, इसलिए प्यास न लगने पर भी नियमित अंतराल पर पानी पीते रहें। अपनी डाइट में नींबू पानी, ताजी छाछ, नारियल पानी और कच्चे आम के पन्ने जैसे प्राकृतिक पेय पदार्थों को शामिल करें। बाजार के कटे हुए फल और बासी भोजन से बचें, क्योंकि गर्मी में संक्रमण और फूड पॉइजनिंग का खतरा दोगुना हो जाता है। सत्तू का शरबत और बेल का रस इस मौसम में शरीर के लिए सुरक्षा कवच का काम करते हैं, जो न केवल ठंडक देते हैं बल्कि पाचन तंत्र को भी सुचारू रखते हैं।

गर्मी के इन महीनों में अपनी दिनचर्या में बदलाव करना अनिवार्य है। भारी शारीरिक व्यायाम या जिम जैसे कार्यों को सुबह जल्दी या देर शाम के लिए टाल दें, क्योंकि कड़ी धूप में पसीना अधिक निकलने से इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बिगड़ सकता है। यदि आप फील्ड वर्क करते हैं, तो हर एक घंटे में छांव वाली जगह पर विश्राम जरूर करें। शराब, धूम्रपान और अत्यधिक कैफीन युक्त पेय (जैसे चाय-कॉफी) से परहेज करें, क्योंकि ये शरीर को अंदर से सुखा देते हैं और हीटस्ट्रोक की संभावना को कई गुना बढ़ा देते हैं।

घर के छोटे बच्चों और बुजुर्गों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, जिससे वे गर्मी की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। उन्हें पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ दें और उनके कमरे को ठंडा व हवादार बनाए रखें। यदि परिवार के किसी सदस्य को तेज सिरदर्द, चक्कर आना या अत्यधिक थकान महसूस हो, तो इसे हल्के में न लें और तुरंत प्राथमिक उपचार के साथ डॉक्टर से परामर्श करें। छोटे बच्चों को पार्क में ले जाने का समय बदलें और सुनिश्चित करें कि वे धूप में न खेलें, क्योंकि उनका शरीर वयस्कों की तुलना में तापमान को जल्दी अवशोषित करता है। अक्सर लोग चिलचिलाती धूप से आकर सीधे एयर कंडीशनर या ठंडे पानी का इस्तेमाल करते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है।

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

सड़कों पर कचरा, तंत्र का सन्नाटा

हरियाणा में स्वच्छता मिशन की जमीनी हकीकत

हरियाणा, जिसे भारत के सबसे विकसित और समृद्ध राज्यों में गिना जाता है, आज एक ऐसी समस्या के मुहाने पर खड़ा है जिसने इसके शहरी और ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगा दिया है। 'नंबर वन हरियाणा' के नारों के बीच, प्रदेश के नगर निगमों और नगर परिषदों के अंतर्गत आने वाले इलाके कचरे के अंबार में दबते जा रहे हैं। गुरुग्राम की गगनचुंबी इमारतों से लेकर रोहतक और हिसार की तंग गलियों तक, कूड़े का उठान न होना एक सामान्य दृश्य बन गया है। यह लेख इस संकट की गहराई, निजीकरण की विफलता, स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव और प्रशासनिक तंत्र की कमियों का एक विस्तृत विश्लेषण करता है।

निजीकरण का मॉडल: एक समाधान जो समस्या बन गया

हरियाणा सरकार ने स्वच्छता व्यवस्था को आधुनिक और कुशल बनाने के लिए 'आउटसोर्सिंग' और 'प्राइवेटाइजेशन' का रास्ता चुना। विचार यह था कि निजी कंपनियां अपनी तकनीक और पेशेवर प्रबंधन से शहरों को चकाचक रखेंगी।

- **टेंडर प्रक्रिया और जमीनी हकीकत :** सरकार ने विभिन्न शहरों के लिए करोड़ों रुपये के टेंडर निजी कंपनियों को आवंटित किए। इन टेंडरों में घर-घर से कचरा उठाना, उसे डंपिंग यार्ड तक पहुँचाना और फिर उसका वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करना शामिल था। परंतु, धरातल पर स्थिति यह है कि कंपनियों के पास न तो पर्याप्त वाहन हैं और न ही पर्याप्त कर्मचारी। कई शहरों में कंपनियां केवल मुख्य सड़कों की सफाई पर ध्यान देती हैं, जबकि अंदरूनी मोहल्ले हफ्तों तक कचरा उठने का इंतजार करते हैं।
- **कंपनियों और सरकार के बीच का विवाद :** अक्सर देखा गया है कि नगर निगम और निजी कंपनियों के बीच भुगतान को लेकर खींचतान चलती रहती है। कंपनियां दावा करती हैं कि उनका करोड़ों का बकाया सरकार के पास है, जबकि प्रशासन का कहना है कि कंपनियां काम की शर्तों को पूरा नहीं कर रही हैं। इस प्रशासनिक खींचतान का खामियाजा अंततः आम जनता को भुगतना पड़ता है।

मोहल्लों और गलियों की स्थिति : नरकीय जीवन का अनुभव

आज हरियाणा के किसी भी शहर के आवासीय क्षेत्र में चले जाइए, स्थिति हृदयविदारक है।

- **डंपिंग पॉइंट्स का अभाव :** शहरों में कचरा संग्रह केंद्रों का अभाव है। जब गाड़ियां मोहल्लों में नहीं आतीं, तो लोग मजबूरन खाली पड़े प्लॉटों, पार्क के कोनों या सड़कों के किनारे कचरा फेंकने लगते हैं। धीरे-धीरे ये स्थान 'अघोषित डंपिंग ग्राउंड' बन जाते हैं।
- **आवारा पशुओं और कचरे का गठजोड़ :** इन कचरे के ढेरों पर आवारा पशुओं—विशेषकर गायों, सांडों और कुत्तों—का जमावड़ा रहता है। ये पशु न केवल कचरे को सड़क पर फैलाते हैं, बल्कि राहगीरों के लिए भी खतरा बनते हैं। प्लास्टिक के कचरे को खाने से पशुओं की अकाल मृत्यु हो रही है, जो एक अलग पर्यावरणीय और नैतिक संकट है।

संकल्प से ही मिलेगी सफाई

हरियाणा में कचरा संकट एक ऐसी चुनौती है जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह समस्या केवल संसाधनों की कमी की नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति और सही प्रबंधन की कमी की है। सरकार को निजी कंपनियों की मनमानी पर लगाम लगानी होगी और स्थानीय निकायों को और अधिक सशक्त और जवाबदेह बनाना होगा। जनता को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी, लेकिन पहली प्राथमिकता एक ऐसा तंत्र विकसित करने की है जहाँ कचरा उठाने वाली गाड़ी हर रोज, हर घर के सामने खड़ी हो। जब तक 'स्वच्छता' केवल सरकारी विज्ञापनों तक सीमित रहेगी, तब तक हरियाणा की गलियां कचरे के बोझ तले दबी रहेंगी। अब समय आ गया है कि हम अपनी भावी पीढ़ी को एक कचरा मुक्त और स्वस्थ हरियाणा सौंपने के लिए ठोस कदम उठाएं।

जनस्वास्थ्य पर आघात : एक सोता हुआ ज्वालामुखी

कचरा प्रबंधन की विफलता केवल स्वच्छता का मुद्दा नहीं है, यह एक 'मेडिकल इमरजेंसी' की आहट है।

- **महामारी का डर :** सड़ता हुआ कचरा बैक्टीरिया और वायरस के लिए प्रजनन स्थल का काम करता है। बारिश के मौसम में, कचरे से रिसने वाला दूषित पानी भूजल को प्रदूषित कर रहा है। इससे हैजा, टाइफाइड, पीलिया और पेचिश जैसी बीमारियां तेजी से फैल रही हैं।
- **मच्छर जनित बीमारियां :** हरियाणा में पिछले कुछ वर्षों में डेंगू और चिकनगुनिया के मामलों में जो वृद्धि देखी गई है, उसका एक बड़ा कारण गलियों में जमा कचरा और उससे रुका हुआ जल निकासी तंत्र है। कचरे के ढेर नालियों को अवरुद्ध कर देते हैं, जिससे गंदा पानी जमा होता है और मच्छर पनपते हैं।
- **वायु प्रदूषण और श्वसन तंत्र :** जब कचरा नहीं उठता, तो सफाई कर्मचारी या स्थानीय लोग उसे जलाने का प्रयास करते हैं। कचरे में मौजूद प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थ जलने पर डाइऑक्सिन जैसी जहरीली गैसें छोड़ते हैं। इससे दमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों के कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां होने का खतरा बढ़ गया है।

प्रशासनिक निष्क्रियता और जवाबदेही का शून्य होना

हरियाणा के नगर निकायों के पास पर्याप्त बजट होने के बावजूद प्रबंधन की कमी खटकती है।

- **निगरानी तंत्र की विफलता :** क्या प्रशासन के पास यह रिकॉर्ड है कि आवंटित टेंडर के अनुसार कितनी गाड़ियां चल रही हैं? अधिकतर शहरों में जीपीएस निगरानी तंत्र केवल कागजों पर है। अधिकारी एयर-कंडीशंड कमरों से बाहर निकलकर वार्डों का दौरा करने में संकोच करते हैं।
- **जनता की शिकायतों की अनदेखी :** 'स्वच्छता ऐप' या हेल्पलाइन नंबरों पर की गई शिकायतों का निपटारा अक्सर केवल कागजों पर 'रिज़ॉल्व्ड' दिखाकर कर दिया जाता है। शिकायतकर्ता को दोबारा फोन करने पर कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिलता। यह तंत्र की संवेदनहीनता को दर्शाता है।

आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

कचरे के संकट का प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, इसके आर्थिक परिणाम भी गंभीर हैं।

- **संपत्ति के मूल्यों में गिरावट:** जिन इलाकों में कचरे के ढेर लगे रहते हैं, वहां जमीन और मकानों की कीमतें गिरने लगती हैं।
- **व्यापार पर असर:** बाजारों में गंदगी के कारण ग्राहकों का आना कम हो जाता है, जिससे स्थानीय दुकानदारों के व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- **नगर निगम का खर्च:** कचरे के कुप्रबंधन के कारण सरकार को बाद में बीमारियों पर नियंत्रण और डंपिंग याड्र्स की सफाई के लिए कहीं अधिक पैसा खर्च करना पड़ता है।

वैश्विक समाधान के लिए राह

दुनिया के कई शहरों ने कचरे को 'समस्या' के बजाय 'संसाधन' के रूप में देखा है। हरियाणा को भी इसी दिशा में कदम बढ़ाने होंगे।

- **विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन :** पूरे शहर का कचरा एक बड़े डंपिंग ग्राउंड (जैसे गुरुग्राम का बंधवाड़ी प्लांट) पर भेजने के बजाय, प्रत्येक वार्ड या मोहल्ले में छोटे प्रोसेसिंग प्लांट लगाने चाहिए। इससे परिवहन का खर्च बचेगा और कचरे का निस्तारण तुरंत हो सकेगा।
- **कचरे से ऊर्जा और खाद :** गीले कचरे से जैविक खाद और सूखे कचरे से बिजली या ईंधन बनाने के प्रोजेक्ट्स को तेजी से धरातल पर उतारना होगा।

लेखक : राहुल हिंदुस्तानी

संस्कार, संघर्ष, शिक्षा और समाजसेवा की प्रेरक पहचान बना मित्तल परिवार

स्व. अंजना मित्तल के आदर्शों को बेटियां दे रहीं नई ऊंचाई

कहा जाता है कि एक मां केवल परिवार का पालन-पोषण ही नहीं करती, बल्कि अपने संस्कारों, त्याग, संघर्ष, प्रेम और दूरदृष्टि से आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी संवारती है। स्वर्गीय अंजना मित्तल ने अपने जीवन में इसी आदर्श को साकार किया। उन्होंने अपने पति श्री दीन दयाल मित्तल जो बैंक ऑफ इंडिया से सेवानिवृत्त हैं, के साथ मिलकर जीवन की अनेक कठिन परिस्थितियों और संघर्षों का सामना करते हुए अपनी दोनों बेटियों को उच्च शिक्षा, मजबूत संस्कार, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों से समृद्ध बनाया।

> *आज हम जो भी हैं, उसमें हमारी मां के त्याग, तपस्या, प्रेम, संघर्ष और आशीर्वाद की सबसे बड़ी भूमिका है। मां का स्नेह, उनके शब्द और उनके द्वारा दिए गए संस्कार आज भी हर कदम पर हमारा मार्गदर्शन करते हैं। उनका आशीर्वाद सदैव हमारे साथ है और वही हमें निरंतर समाजहित में कार्य करने तथा जीवन में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने की प्रेरणा देता है।"*
> *-दोनों बहनों के अनुसार।*

स्वर्गीय अंजना मित्तल का व्यक्तित्व सादगी, अनुशासन, सकारात्मक सोच और परिवार के प्रति समर्पण का अद्भुत उदाहरण था। उन्होंने सदैव अपनी बेटियों को शिक्षा के महत्व, आत्मनिर्भरता, ईमानदारी और समाजसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। आज उनकी वही शिक्षा और संस्कार उनकी बेटियों की सफलता में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

आज उनकी दोनों बेटियां अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर समाज में प्रेरणा का स्रोत बनी हुई हैं। बड़ी बेटी डॉ. गुंजन गोयल हिसार की प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, समाजसेवी एवं नारायणी वेल्फेयर सोसाइटी की संचालिका अध्यक्षा हैं। शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता और जरूरतमंद बच्चों के उत्थान के क्षेत्र में उनके कार्यों की व्यापक सराहना हो चुकी है। उन्हें अब तक 500 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

हाल ही में जींद की बेटी डॉ. गुंजन गोयल ने दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व शिखर सम्मेलन में सहभागिता कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री उपस्थित रहे। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदृष्टि किसी भी व्यक्ति की सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं।

डॉ. गुंजन गोयल तीन बार भारत की राष्ट्रपति से भेंट कर चुकी हैं तथा शिक्षक दिवस के अवसर पर हरियाणा के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री द्वारा सम्मानित भी की जा चुकी हैं। वह लगातार शिक्षा, समाजसेवा, महिला कल्याण और युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वहीं छोटी बेटी डॉ. हिमांशु गर्ग जिंद स्थित प्रियदर्शिनी कॉलेज में कंप्यूटर विषय की प्रोफेसर हैं। शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में उनका योगदान भी अत्यंत सराहनीय माना जाता है। उन्होंने लगभग 15 पुस्तकों का लेखन कर अपनी विद्वता, रचनात्मकता और अकादमिक क्षमता की विशेष पहचान बनाई है। साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके कार्य युवाओं के लिए प्रेरणादायी माने जाते हैं।

डॉ. गुंजन गोयल ने भावुकता के साथ कहा कि आज वह जो कुछ भी हैं, वह अपने माता-पिता द्वारा दिए गए संस्कारों, अनुशासन, संघर्षशीलता और प्रेरणा का परिणाम है। उन्होंने अपनी सफलता का संपूर्ण श्रेय अपने माता-पिता को देते हुए कहा कि उनकी मां स्वर्गीय अंजना मित्तल केवल एक अभिभावक नहीं, बल्कि उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा, शक्ति और मार्गदर्शक थीं।

दोनों बहनों का कहना है कि उनकी मां ने हर कठिन परिस्थिति में पूरे परिवार को मजबूती से संभाला और हमेशा बेटियों को आत्मनिर्भर बनने, शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा समाज के लिए सकारात्मक कार्य करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि मां ने उन्हें यह सिखाया कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि आत्मविश्वास, मेहनत और सकारात्मक सोच हो तो हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

दोनों बहनों के अनुसार, "आज हम जो भी हैं, उसमें हमारी मां के त्याग, तपस्या, प्रेम, संघर्ष और आशीर्वाद की सबसे बड़ी भूमिका है। मां का स्नेह, उनके शब्द और उनके द्वारा दिए गए संस्कार आज भी हर कदम पर हमारा मार्गदर्शन करते हैं। उनका आशीर्वाद सदैव हमारे साथ है और वही हमें निरंतर समाजहित में कार्य करने तथा जीवन में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने की प्रेरणा देता है।"

स्वर्गीय अंजना मित्तल का जीवन इस बात का प्रेरणादायी उदाहरण है कि एक मां का प्रेम, त्याग, संघर्ष और संस्कार ही संतान की सफलता, व्यक्तित्व निर्माण और जीवन मूल्यों की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। उनका जीवन आज भी अनेक परिवारों और विशेष रूप से बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

लेखक : डॉ. गुंजन गोयल
शिक्षाविद् एवं समाजसेवी

इजराइली हमलों में क्षतिग्रस्त इमारतों के सामने से गुजरते लोग।

दक्षिणी लेबनान में एक बुजुर्ग दंपति अपने क्षतिग्रस्त घर में साथ कॉफी पी रहे हैं।

ईरान ने परमाणु कार्यक्रम खत्म करने की मांग ठुकराई:बोला- एनरिच्ड यूरेनियम पर कोई समझौता नहीं, अमेरिका नाकेबंदी हटाए तो होर्मुज खोलेंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (राजधानी चौपाल) | अमेरिका के साथ जारी तनाव और बातचीत के बीच ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम या हाईली एनरिच्ड यूरेनियम पर कोई समझौता नहीं करेगा। तेहरान ने यह भी कहा कि अगर अमेरिका नाकेबंदी हटाता है तो ईरान होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोल सकता है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी अधिकारियों का कहना है कि वे सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म होने की स्थायी घोषणा चाहते हैं। उनका कहना है कि भविष्य में दोबारा युद्ध शुरू न होने की गारंटी भी मिलनी चाहिए। ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की संप्रभुता पर कोई बातचीत नहीं होगी।

होर्मुज स्ट्रेट तनाव से तेल कीमतों में तेजी : होर्मुज स्ट्रेट फिर बढ़े तनाव के बाद तेल की कीमतों में तेजी देखी गई। अल जजीरा के मुताबिक, ब्रेंट क्रूड 1.23 डॉलर यानी 1.23 फीसदी की बढ़त के साथ 101.29 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। वहीं, अमेरिकी WTI 0.61 डॉलर यानी 0.64 फीसदी बढ़कर 95.42 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। निवेश कंपनी अगेन कैपिटल के पार्टनर जॉन किलडफ ने रॉयटर्स से कहा कि बाजार में अभी काफी अनिश्चितता है, लेकिन लोगों को समझौते की उम्मीद भी दिख रही है।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर वार्ता रणनीति में अहम भूमिका निभा रहे : ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई इस समय युद्ध और अमेरिका के साथ बातचीत की रणनीति तय करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, उनकी सेहत और असली अधिकार को लेकर अब भी कई सवाल बने हुए हैं। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि युद्ध और कई बड़े सैन्य अधिकारियों की मौत के बाद ईरानी सत्ता तंत्र बिखरा हुआ नजर आ रहा है।

मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से अब तक सामने नहीं आए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस हमले में उनके पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और कई शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए थे, उसी में मोजतबा भी घायल हुए थे। इसके बाद से उनकी सेहत और सरकार पर उनकी पकड़ को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। CNN ने अमेरिकी खुफिया सूत्रों के हवाले से कहा कि खामेनेई इलेक्ट्रॉनिक संचार से पूरी तरह बच रहे हैं और भरोसेमंद लोगों के जरिए सीधे संदेश भेज रहे हैं। वह गंभीर चोटों का इलाज करा रहे हैं। उनके शरीर के एक हिस्से, चेहरे, हाथ, धड़ और पैर पर जलने के निशान बताए गए हैं।

हिजबुल्लाह का दावा- इजराइली सेना पर 26 हमले किए : हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने गुरुवार दोपहर से अब तक दक्षिणी लेबनान में इजराइली सेना पर 26 हमले किए हैं। यह ऐसे समय हुआ है जब इलाके में इजराइल के हमले तेज हो गए हैं और इनमें 30 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है। अल जजीरा के मुताबिक हिजबुल्लाह ने दावा किया कि इन हमलों में इजराइली सेना को नुकसान पहुंचा है, हालांकि उसने घायल या मारे गए लोगों की संख्या नहीं बताई। रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार दक्षिणी लेबनान पर इजराइली हवाई हमलों के लिहाज से सबसे घातक दिनों में से एक रहा। 2 मार्च से शुरू हुई लड़ाई के बाद से अब तक इजराइली हमलों में लेबनान में 2700 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और कम से कम 8500 लोग घायल हुए हैं।

UAE का दावा- ईरान ने मिसाइल और ड्रोन दागे

हवा में मार गिराया, तीन घायल; अमेरिका ने ईरान पर बमबारी की

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने दावा किया है कि ईरान ने उसके खिलाफ 2 बैलिस्टिक मिसाइल और 3 ड्रोन दागे हैं। UAE रक्षा मंत्रालय ने X पर पोस्ट कर कहा कि सभी टारगेट्स को हवा में ही मार गिराया गया। हमले में 3 लोग घायल हुए हैं। हालांकि इस दावे पर ईरान की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। इसी बीच अमेरिका ने सीजफायर के बावजूद ईरान पर फिर बमबारी की। अमेरिका ने कहा कि ईरानी सेना ने उसके जंगी जहाजों पर मिसाइल, ड्रोन और छोटी नावों से हमला किया था। इसके जवाब में अमेरिकी सेना ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ने डील नहीं की तो अमेरिका आगे भी हमले करेगा। वहीं, ईरान का दावा है कि अमेरिकी हमले में सैन्य ठिकानों नहीं, नागरिक इलाकों को निशाना बनाया गया। ईरानी सेना ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई में होर्मुज स्ट्रेट और चाबहार पोर्ट के पास मौजूद अमेरिकी सैन्य जहाजों को निशाना बनाया। ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में उसके तेल टैंकरों को निशाना बनाया।

ईरानी विदेश मंत्री बोले- हमारी मिसाइलें अभी खत्म नहीं हुईं : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ईरान के मिसाइल भंडार खत्म हो चुके हैं। अराघची ने कहा कि अमेरिकी CIA की इंटेलिजेंस गलत है। उन्होंने दावा किया कि ईरान का मिसाइल रिजर्व 120% पर है और देश अपनी जनता की रक्षा के लिए 1000% तैयार है। अराघची ने X पर लिखा, "हर बार जब कूटनीतिक समाधान सामने आता है, अमेरिका सैन्य रास्ता चुनता है। ईरानी कभी दबाव में नहीं झुकेंगे।"

दावा- अमेरिकी विमान कतर के एयरस्पेस से लापता

इमरजेंसी सिग्नल देकर रडार से गायब हुआ ईरानी एजेंसी बोली- हमारा कोई रोल नहीं

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (राजधानी चौपाल)| मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी वायुसेना का एक KC-135 स्ट्रैटोटैंकर विमान कतर के ऊपर इमरजेंसी सिग्नल देने के बाद लापता हो गया। KC-135 स्ट्रैटोटैंकर को 'फ्लाइंग गैस स्टेशन' कहा जाता है, क्योंकि यह हवा में अन्य सैन्य विमानों को ईंधन भरने में सक्षम है। ईरान की फॉर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, विमान ने उड़ान के दौरान '7700' इमरजेंसी सिग्नल भेजा। यह सिग्नल तब दिया जाता है जब विमान में कोई गंभीर समस्या हो। हालांकि इसमें ईरान की किसी भी भूमिका की बात नहीं कही गई। यह विमान UAE के अल धफरा एयर बेस से उड़ा था और फारस की खाड़ी के ऊपर उड़ रहा था। इसी दौरान कतर के पास उसका सिग्नल कुछ समय के लिए गायब हो गया। फ्लाइट डेटा के मुताबिक, विमान कुछ देर तक आसमान में चक्कर लगाता रहा और फिर नीचे उतरने लगा। अभी तक यह साफ नहीं है कि विमान में क्या खराबी आई थी। यह भी नहीं पता कि यह कोई तकनीकी समस्या थी या कुछ और। अमेरिका ने इसे लेकर जानकारी शेयर नहीं की है।

ट्रम्प बोले- ईरान से समझौते की कोशिश : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही से जुड़े 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोका जा रहा है। यह फैसला ईरान के साथ संभावित समझौते को अंतिम रूप देने के लिए लिया गया है। ट्रम्प के मुताबिक, यह कदम पाकिस्तान और अन्य देशों के अनुरोध पर उठाया गया है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि ईरान के खिलाफ लगाया गया ब्लॉकेड अभी भी जारी रहेगा। ट्रम्प ने कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में अमेरिका को बड़ी सफलता मिली है। साथ ही, ईरान के प्रतिनिधियों के साथ समझौते को लेकर काफी प्रगति भी हुई है। उन्होंने कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए दोनों पक्षों ने मिलकर फैसला किया है कि जहाजों की आवाजाही को कुछ समय के लिए रोका जाए, ताकि समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके। ट्रम्प के बयान के मुताबिक, यह एक अस्थायी कदम है और इसका मकसद यह देखना है कि क्या दोनों पक्ष अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं या नहीं।

तेल टैंकरों पर अमेरिकी कार्रवाई से तनाव बढ़ा : अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज स्ट्रेट में तनाव फिर बढ़ गया है। AP की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को ईरान के दो ऑयल टैंकरों पर कार्रवाई कर उन्हें निष्क्रिय कर दिया। अमेरिका का दावा है कि ये टैंकर ईरानी बंदरगाहों पर लगाए गए अमेरिकी ब्लॉकेड को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। इससे पहले गुरुवार रात भी अमेरिकी सेना और ईरानी बलों के बीच गोलीबारी हुई। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी नेवी के तीन जहाजों पर हुए हमलों को नाकाम किया और जवाब में ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया। सेना के मुताबिक, किसी अमेरिकी जहाज को नुकसान नहीं पहुंचा। इसी बीच, संयुक्त अरब अमीरात यानी UAE ने कहा कि ईरान ने उस पर दो बैलिस्टिक मिसाइल और तीन ड्रोन दागे। UAE के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, एयर डिफेंस सिस्टम ने इन हमलों को रोकने की कोशिश की। इस हमले में तीन लोग घायल हुए हैं।

रूस-UAE के विदेश मंत्रियों ने फोन पर बात की

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने UAE के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत का समर्थन किया जाना चाहिए, ताकि मिडिल ईस्ट में फिर से युद्ध जैसी स्थिति न बने। रूसी विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, लावरोव ने कहा कि संघर्ष दोबारा शुरू होने से शांति की संभावनाओं को नुकसान पहुंच सकता है। रूस की तरफ से कहा गया कि मौजूदा समय में सबसे जरूरी बात यह है कि बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ाया जाए। रूस नहीं चाहता कि क्षेत्र में दोबारा स्थिरता की संभावनाओं को खतरा हो।

ईरानी मीडिया- दुबई एयरपोर्ट के पास धुएं का गुबार उठता दिखा

ईरानी मीडिया आउटलेट प्रेस TV ने दावा किया है कि शुक्रवार सुबह हुए हमलों के बाद दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास धुएं का बड़ा गुबार उठता देखा गया। प्रेस TV ने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी जारी किया है। प्रेस TV ने X पर पोस्ट कर कहा कि सुबह हुए हमलों के बाद दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास धुआं उठता दिखाई दिया। पोस्ट के साथ जारी वीडियो में एयरपोर्ट इलाके के ऊपर धुएं का गुबार नजर आ रहा है। हालांकि अब तक UAE सरकार या दुबई प्रशासन की ओर से इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

हॉर्मुज स्ट्रेट में ईरानी सुरक्षा बलों और अमेरिकी जहाजों के बीच झड़प : ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में ईरानी सुरक्षा बलों और अमेरिकी जहाजों के बीच छिटपुट झड़पें हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक घंटे के दौरान कई बार दोनों पक्ष आमने-सामने आए। हालांकि अब तक किसी नुकसान या हताहत की जानकारी सामने नहीं आई है। ईरान पहले ही अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ने और क्षेत्रीय तनाव बढ़ाने का आरोप लगा चुका है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल है। खाड़ी देशों से निकलने वाला बड़ा हिस्सा तेल इसी रास्ते से अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचता है।

ट्रम्प की परमाणु हमले वाली धमकी का मजाक उड़ाया

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हालिया परमाणु हमले की धमकी का मजाक उड़ाया है। बघई ने X पर पोस्ट करते हुए कहा, "यह एक बेतुकी बात है कि वे शांति और परमाणु संकट रोकने की बात करते हैं, जबकि उनका समाधान बस 'एक बड़ी चमक' है।" साथ ही उन्होंने 1964 की अमेरिकी फिल्म 'डॉ स्ट्रेंजलव याः हाउ आई लर्न्ड टू स्टॉप वरीइंग एंड लव द बॉम्ब' का क्लिप भी शेयर किया। यह फिल्म युद्ध विरोधी व्यंग्य पर आधारित है।

ईरान बोला- हॉर्मुज में दखल दिया तो जंग फिर शुरू होगी

ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उसने हॉर्मुज स्ट्रेट में फिर दखल देने की कोशिश की तो क्षेत्र में जंग दोबारा शुरू हो सकती है।

ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक एक अनाम ईरानी सैन्य अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका हॉर्मुज स्ट्रेट में दोबारा प्रवेश कर ईरानी जहाजों को परेशान करता है, तो क्षेत्र में फिर संघर्ष शुरू होने की संभावना है। अधिकारी ने कहा कि फिलहाल स्थिति शांत है, लेकिन तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। इससे पहले ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया था कि हॉर्मुज स्ट्रेट में ईरानी बलों और अमेरिकी नौसैनिक जहाजों के बीच छिटपुट झड़पें हुई हैं।

न्यूज ब्रीफ

गाजा में 8 हजार लोगों के शव मलबे में दबे, 90% इलाका तबाह

गाजा में करीब 8,000 लोगों के शव अभी भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइली के हमलों के बाद यहां बहुत कम मलबा हटाया जा सका है। संयुक्त राष्ट्र से जुड़े एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि मलबा हटाने का काम बहुत धीमा चल रहा है और इसे पूरा होने में 7 साल तक लग सकते हैं। गाजा में कई परिवार अब भी अपने रिश्तेदारों के शव निकालने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि उनका अंतिम संस्कार कर सकें। लोकल सिविल डिफेंस का कहना है कि उनके पास भारी मशीनों की कमी है, जिससे मलबा हटाने का काम और धीमा हो रहा है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पिछले साल हुए सीजफायर के बावजूद हिंसा पूरी तरह नहीं रुकी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस दौरान 828 लोगों की मौत और 2,342 लोग घायल हुए हैं। दो साल की इस लड़ाई में गाजा में 72,000 से ज्यादा लोग मारे गए और 1.72 लाख से ज्यादा घायल हुए हैं। करीब 90% इन्फ्रास्ट्रक्चर तबाह हो चुका है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि गाजा को फिर से बसाने में करीब 70 बिलियन डॉलर(लगभग 5.8 लाख करोड़) का खर्च आएगा।

इजराइल-लेबनान शांति वार्ता 14-15 मई को होगी

अमेरिका ने कहा है कि इजराइल और लेबनान के बीच शांति और सुरक्षा समझौते पर अगली अहम बातचीत 14-15 मई को होगी। इस चर्चा में अमेरिका मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा। अमेरिकी विदेश विभाग के बयान के मुताबिक, बातचीत में स्थायी शांति, सीमा विवाद, लेबनान के पुनर्निर्माण और लोगों तक मदद पहुंचाने जैसे मुद्दे शामिल होंगे। अमेरिका ने कहा कि इलाके में स्थायी शांति के लिए हिजबुल्लाह का हथियार छोड़ना जरूरी है। इस बीच, दक्षिणी लेबनान और उत्तरी इजराइल में दोनों तरफ से हमले जारी हैं।

कतर के प्रधानमंत्री वॉशिंगटन पहुंचे, ईरान पर बातचीत संभव

कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी वॉशिंगटन DC पहुंच गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी अमेरिकी अधिकारियों के साथ ईरान से जुड़े शांति प्रस्ताव और बातचीत प्रक्रिया पर चर्चा हो सकती है। अमेरिका में कतर दूतावास के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन हमद अल-मुफ्ताह ने शेख मोहम्मद के वॉशिंगटन पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने कहा, "वॉशिंगटन DC में शांति स्थापित करने वालों का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है।" अमेरिकी न्यूज आउटलेट एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक कतर के प्रधानमंत्री अमेरिकी उपराष्ट्रपति JD वेंस से मुलाकात कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों नेताओं के बीच ईरान के साथ चल रही बातचीत और संभावित समझौते पर चर्चा होने की उम्मीद है।

आंतों को सेकेंड ब्रेन कहा जाता है। दिमाग की तरह ही आंतें पूरे शरीर के संतुलन को बनाए रखती हैं। सेहत को लेकर आंतों की अनदेखी पेट ही नहीं, दिल और दिमाग के रोगों का खतरा भी बढ़ाती है। खानपान और जीवनशैली में सुधार जरूरी है, बता रहे हैं...

आंतों की अनदेखी सेहत के लिए अच्छी नहीं...

हमारी आंतें शरीर के लिए जरूरी खरबों सूक्ष्मजीवों का घर हैं। हमारी रोगों से लड़ने की 80 से 90% क्षमता आंतों की सेहत से जुड़ी है। आंतों का हमारे इम्यून सिस्टम, मानसिक संतुलन, पाचन क्रिया और दीर्घकालिक रोगों की रोकथाम से सीधा जुड़ाव है। अगर आंतें स्वस्थ हैं, तो तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं का खतरा कम होता है। आंतों की गड़बड़ी के कारण पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। साथ ही मधुमेह, मोटापा और उच्च रक्तचाप जैसे गैर-संचारी रोग का खतरा भी बढ़ सकता है। भारत में इरिटेबल बाउल सिंड्रोम से पीड़ित लोगों की संख्या करीब 10 करोड़ के आसपास मानी जाती है। एआईआईएमएस और आईसीएमआर की रिपोर्ट के मुताबिक, पेट में गैस, कब्ज, एसिडिटी और सूजन के मरीजों की संख्या में बीते 5 सालों में 15% की बढ़ोतरी हुई है। पहले ये समस्याएं ज्यादातर 50 साल की उम्र के बाद दिखती थीं, अब युवा और बच्चों में भी इसके मामले सामने आ रहे हैं।

बढ़ जाता है रोगों का खतरा

पेट साफ रहना ही आंतों की सेहत नहीं है। हमारी आंतों में रहने वाले सूक्ष्मजीव पूरे पाचन तंत्र को संतुलित रखने का काम करते हैं। ये सूक्ष्मजीव भोजन को तोड़ते हैं, पोषक तत्व अवशोषित करते हैं और हानिकारक बैक्टीरिया से शरीर की रक्षा करते हैं। खाना पचाने में मदद के अलावा सूक्ष्म जीव हमारे मूड और नींद पर भी प्रभाव डालते हैं। आंतों की गड़बड़ी से जुड़े प्रत्यक्ष रोगों में सबसे सामान्य है इरिटेबल बाउल सिंड्रोम। इसके लक्षण पेट दर्द, कब्ज, दस्त और पेट में सूजन के रूप में प्रकट होते हैं। इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज और क्रोहन डिजीज भी इसी श्रेणी में आते हैं। अप्रत्यक्ष रूप से, आंतों के असंतुलन से मानसिक विकार, मधुमेह, हृदय रोग, त्वचा संबंधी समस्याएं और प्रतिरक्षा में कमी जैसी स्थितियां विकसित हो सकती हैं। इसी तरह एच. पाइलोरी संक्रमण है, जिसके लक्षण अक्सर दिखाई नहीं देते। पर, यह पेट के कैंसर का कारण बन सकता है।

तनाव का पड़ता है बुरा असर

हमारा दिमाग और आंतें एक-दूसरे से गट-ब्रेन एक्सिस नाम के नेटवर्क के जरिये जुड़ी होती हैं। दोनों का एक-दूसरे से गहरा संबंध है। मानसिक दबाव गट माइक्रोबायोम की विविधता को 40 प्रतिशत तक घटा सकता है। गट-ब्रेन एक्सिस पर हुए रिसर्च में सामने आया है कि 90% सेरोटोनिन आंतों से उत्पन्न होता है। जब हम तनाव में होते हैं, तो दिमाग से निकलने वाले हार्मोन आंतों की गति, पाचन और बैक्टीरिया के संतुलन को बिगाड़ देते हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक लगभग 77% लोग तनाव के कारण पाचन समस्याओं से जूझते हैं। आंतों में अच्छे बैक्टीरिया कम हो जाते हैं, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता घटती है। यही नहीं, गट हेल्थ से बच्चों की इम्युनिटी, व्यवहार और सीखने की क्षमता भी जुड़ी होती है।

लीकी गट सिंड्रोम, एक नई चुनौती

आंतों की सेहत पर बढ़ते शोध के बीच लीकी गट सिंड्रोम को एक नई चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। इसमें आंतों की परत कमजोर होकर छोटे-छोटे छिद्र बना लेती है, जिससे बैक्टीरिया, विषैले तत्व व अधपचा भोजन सीधे खून तक पहुंच सकते हैं। यह स्थिति पाचन समस्याओं के साथ-साथ आंतों में सूजन, एलर्जी और ऑटोइम्यून रोगों को भी बढ़ावा दे सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, लीकी गट सिंड्रोम अभी तक मुख्यधारा के मेडिकल साइंस में एक औपचारिक डायग्नोसिस के रूप में भी पूरी तरह मान्यता प्राप्त नहीं है, इसका कोई एक खास टेस्ट नहीं है। कुछ टेस्ट जरूर आंतों की परत की स्थिति और उसमें सूजन का संकेत देते हैं जैसे-लैक्ट्यूलोस-मेनिटोल टेस्ट या इन्टेस्टिनल परिमएबिलिटी टेस्ट। इनसे आंत की परत की मजबूती का पता चलता है। खून व मल में प्रोटीन के स्तर को भी मापा जाता है। इसी तरह कॉम्प्रिहेन्सिव स्टूल एनालिसिस से बैक्टीरिया संतुलन, यीस्ट, बिना पचे कण और सूजन का संकेत देने वाले मार्कर्स का पता चलता है। फूड एलर्जी टेस्ट, सी-रिएक्टिव प्रोटीन, ईएसआर व साइटोकिंस की जांच भी की जा सकती है।

आंतों की गड़बड़ी के लक्षण

- पेट में सूजन, गैस, बार-बार पेट दर्द, दस्त या कब्ज, पेट फूलना, मल त्याग में कठिनाई रहना।
- पर्याप्त आराम के बाद भी लगातार थकान।
- अकारण त्वचा का खुरदरा होना, दरारें या एलर्जी होना। अचानक मूड में उतार-चढ़ाव, बेचैनी या उदासी जैसा महसूस होना।

आंतों के लिए अच्छी पंचकर्म थेरेपी

आयुर्वेद में आंतों को अग्नि यानी पाचन शक्ति से जोड़ा गया था। बदलती जीवनशैली, नियमित बाहर का खाना, धूम्रपान, अधिक एंटीबायोटिक दवाएं खाना, प्रोसेस्ड फूड, फाइबर की कमी, तनाव की अधिकता और नींद की कमी आतों की इस शक्ति को कम कर देते हैं।

आयुर्वेद में आंतों की सेहत पर पंचकर्म थेरेपी प्रभावी पाई गई है। इसके तहत कुछ विशेष विधियों विरेचन, बस्ती (औषधीय एनीमा) आदि से शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकाले जाते हैं। ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, दिल्ली के अध्ययन में पंचकर्म की विरेचन थेरेपी से आंतों के हानिकारक बैक्टीरिया ई. कोली की संख्या कम होने और आंतों में सूक्ष्मजीवों का बेहतर संतुलन देखने को मिला।

एक अन्य अध्ययन में आठ हफ्ते तक योग और पंचकर्म साथ करने से आईबीएस मरीजों के लक्षणों में कमी देखी गई। अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में छपे अध्ययन में इस बात पर जोर दिया गया कि आयुर्वेदिक जीवनशैली और पद्धति की मदद से आईबीएस से जुड़े पेट दर्द और मल त्याग से जुड़ी समस्याओं में कमी आ सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार अलग-अलग प्रकृति (वात, पित्त, कफ) वाले लोगों की आंत में सूक्ष्मजीवों का अंतर होता है, ऐसे में भविष्य में व्यक्तिगत उपचार का रास्ता खुल सकता है।

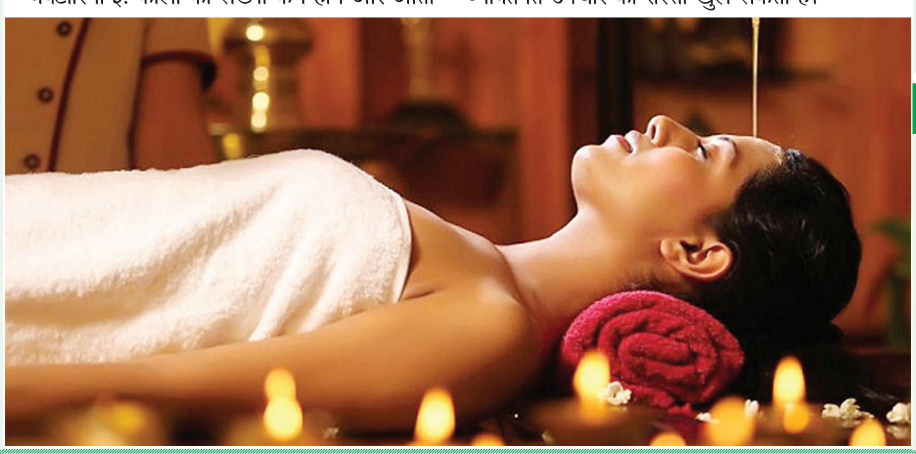

डॉक्टर से मिलें

- मल त्यागने की आदत में बदलाव आना। लंबे समय तक डायरिया या कब्ज रहना।
- मल में रक्त आना। लगातार पेट में मरोड़, गैस व दर्द रहना
- अचानक तेजी से वजन कम होना
- ब्रश के बाद भी मुंह से तेज दुर्गंध आना।
- पेट साफ न रहना। भूख में कमी।
- कुछ भी खाने के बाद शौच जाना।
- रात में पेट में दर्द रहना।

इन बातों को भी जानें

- **आंत और त्वचा का संबंध:** एक अध्ययन में 60% मुहांसे व एक्जिमा के मरीजों की आंतों में सूक्ष्मजीवों के संतुलन में गड़बड़ी देखने को मिली।
- **साइलेंट गट डिसऑर्डर:** बिना किसी लक्षण के शरीर में धीरे-धीरे पोषण और विटामिन बी-12 की कमी आने लगती है। इस कारण थकान रहती है।

कैसे रखें आंतें स्वस्थ

स्वस्थ जीवनशैली, मोटापे पर नियंत्रण, संतुलित भोजन, पर्याप्त फाइबर, तनाव की कमी और नियमित व्यायाम आंतों की सेहत बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। ज्यादातर पाचन संबंधी समस्याएं दवाओं और जीवनशैली सुधार से ठीक हो जाती हैं। अगर मरीज लगातार दस्त/कब्ज, बार-बार खून आने, लंबे समय तक पेट दर्द, वजन कम होने जैसे लक्षणों को नजरअंदाज करता है, तो सर्जरी की नौबत भी आ सकती है। कैंसर जैसी बीमारियां इसी लापरवाही से देर से पकड़ में आती हैं। कोलन कैंसर का परिवार में इतिहास होने पर नियमित जांच करवाते रहें।

तपती गर्मी और आंखों पर आई एलर्जी का प्रहार...

विशेषज्ञ से समझें बचाव के मंत्र और नजरअंदाज न किए जाने वाले संकेत

भीषण गर्मी और चढ़ते पारे के बीच जहां आम जनजीवन अस्त-व्यस्त है, वहीं अब इस मौसम का सीधा असर लोगों की आंखों पर भी दिखने लगा है। गर्मी की तेज धूप, लू और वातावरण में बढ़ते प्रदूषण के कारण इन दिनों आई एलर्जी और संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। आमतौर पर लोग आंखों में होने वाली जलन या लाली को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह किसी बड़ी समस्या की दस्तक हो सकती है। श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट की नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रेया गुप्ता ने बताया कि इस मौसम में अल्ट्रावायलेट किरणों का प्रभाव और हवा में उड़ती धूल-मिट्टी आंखों की बाहरी परत यानी कॉर्निया को भारी नुकसान पहुंचाती है।

गर्मी और अल्ट्रावायलेट किरणों का आंखों पर गहरा असर

गर्मियों के दौरान सूरज की किरणों में यूवी रेडिएशन की मात्रा काफी बढ़ जाती है, जो आंखों के नाजुक ऊतकों के लिए बेहद हानिकारक है। डॉ. श्रेया गुप्ता के अनुसार, जब तापमान अत्यधिक होता है और हवा में नमी कम हो जाती है, तो आंखों की प्राकृतिक लुब्रिकेशन यानी आंसू फिल्म तेजी से सूखने लगती है। इससे आंखों में सूखापन, जलन और रेडनेस बढ़ जाती है। लंबे समय तक बिना किसी सुरक्षा के धूप में रहने वाले लोगों में विजन धुंधला होने और भविष्य में मोतियाबिंद जैसी गंभीर बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, तेज रोशनी के कारण आंखों पर दबाव बढ़ता है, जिससे सिरदर्द की समस्या भी आम हो जाती है।

बढ़ते वायु प्रदूषण और बदलती जलवायु का गहराता संकट

आधुनिक समय में केवल बढ़ता तापमान ही समस्या नहीं है, बल्कि हवा में मौजूद बारीक कण (PM 2.5 और PM 10) भी आंखों के लिए घातक साबित हो रहे हैं। गर्मियों में धूल भरी आंधियां और वाहनों से निकलने वाला धुआं आंखों की सतह पर चिपक जाते हैं, जिससे 'एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस' का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। जब ये हानिकारक कण आंखों के संपर्क में आते हैं, तो आंखों की सुरक्षा प्रणाली इनके खिलाफ हिस्टामाइन नामक रसायन छोड़ती है, जिससे भीषण खुजली और सूजन पैदा होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण अब गर्मियों का सीजन लंबा खिंचने लगा है, जिससे आंखों को रिकवर होने का समय नहीं मिल पाता और संक्रमण बार-बार लौटकर आता है।

इन गंभीर लक्षणों को पहचानना है बेहद जरूरी

डॉक्टर का कहना है कि आंखों में होने वाले कुछ बदलावों को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। यदि आंखों में लगातार दर्द बना रहे या अचानक दृष्टि में धुंधलापन महसूस हो, तो यह गंभीर संक्रमण का संकेत हो सकता है। आंखों में कुछ किरकिरापन महसूस होना, रोशनी के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाना या पलकों पर बार-बार सूजन आना सामान्य नहीं है। इसके अलावा, यदि आंखों के कोनों में चिपचिपा पदार्थ जमा होने लगे या खुजली इतनी बढ़ जाए कि रगड़ने से आंखों के आसपास की त्वचा लाल हो जाए, तो समझ लें कि एलर्जी ने आपकी आंखों को अपनी चपेट में ले लिया है।

संक्रमण के मुख्य कारक और जोखिम वाले समूह

गर्मियों में पसीना अधिक आने के कारण बैक्टीरिया और वायरस के पनपने की संभावना बढ़ जाती है। गंदे हाथों से आंखों को छूना या किसी दूसरे का तौलिया और रुमाल साझा करना संक्रमण फैलने का सबसे बड़ा कारण है। इसके साथ ही, जो लोग स्विमिंग पूल का उपयोग करते हैं, उन्हें क्लोरीनयुक्त पानी से होने वाली जलन का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से वे लोग जो फील्ड में काम करते हैं, कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं या जिनकी आंखें पहले से ही संवेदनशील हैं, उन्हें इस मौसम में अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। बच्चों और बुजुर्गों की आंखों की आंसू बनाने की क्षमता कम होने के कारण वे भी इस समस्या के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।

सुरक्षा के लिए अपनाएं ये जरूरी जीवनशैली बदलाव

आंखों की सेहत बनाए रखने के लिए केवल बाहरी सुरक्षा ही नहीं, बल्कि आंतरिक पोषण और सही आदतों का होना भी अनिवार्य है। शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन आंखों की नमी को खत्म कर देता है, इसलिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करें। आहार में विटामिन-A और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर हरी सब्जियां और फल शामिल करें जो आंखों की कोशिकाओं को सुरक्षित रखते हैं। इसके अलावा, लगातार स्क्रीन देखने की आदत बदलें और काम के बीच-बीच में आंखों को आराम दें। पर्याप्त नींद लेना भी आंखों की रिकवरी और टियर फिल्म को संतुलित रखने में मददगार साबित होता है।

प्राकृतिक उपचार और घरेलू सावधानियों की भूमिका

चिकित्सीय परामर्श के साथ-साथ कुछ बुनियादी घरेलू सावधानियां भी आंखों को राहत पहुंचा सकती हैं। गर्मी के दिनों में आंखों को ठंडे और साफ पानी से दिन में कम से कम चार से पांच बार धोना चाहिए ताकि सतह पर जमा धूल के कण साफ हो सकें।

आंखों पर खीरे के टुकड़े रखना या ठंडे दूध में भीगी हुई रुई का फाहा रखना भी जलन को कम करने में सहायक होता है। हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि यदि आंखों में पीला या हरा डिस्चार्ज हो रहा हो, तो घरेलू उपचारों के भरोसे बैठने के बजाय तुरंत विशेषज्ञ डॉक्टर से मिलना चाहिए, क्योंकि यह बैक्टीरियल संक्रमण हो सकता है जिसे एंटीबायोटिक दवाओं की आवश्यकता होती है।

आउटडोर काम करने वालों के लिए विशेष सावधानियां

जो लोग मजबूरीवश या काम के सिलसिले में धूप में अधिक समय बिताते हैं, उनके लिए आंखों को ढक कर रखना ही सबसे बेहतर उपाय है। हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाले सनग्लासेस पहनें और सिर पर कैप या स्कार्फ का प्रयोग करें। धूल भरे इलाकों में काम करने वाले लोगों को शाम को घर लौटकर अपनी आंखों को साफ और ठंडे पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए। एलर्जी के ट्रिगर्स जैसे धुएं और परागकणों से दूरी बनाए रखें और किसी भी प्रकार की सूजन महसूस होने पर ठंडी पट्टी से सिकाई करें। याद रखें कि डॉक्टर की सलाह के बिना आंखों में कोई भी दवा या ड्रॉप डालना नुकसानदेह हो सकता है।

ठंडक का नया अंदाज...

घर पर तैयार करें रेस्टोरेंट जैसी क्रिस्टल क्लियर आइस

गर्मी के मौसम में ठंडे पेय पदार्थों का आनंद लेने के लिए बर्फ एक अनिवार्य हिस्सा है। हालांकि, अधिकांश लोग इसे केवल एक सामान्य प्रक्रिया मानते हैं, लेकिन घर पर साफ, पारदर्शी और आकर्षक बर्फ जमाना एक कला है। सही तरीके से जमाई गई बर्फ न केवल आपके ड्रिंक को ठंडा रखती है, बल्कि उसकी प्रस्तुति में भी चार चांद लगा देती है। एक अच्छी बर्फ वह होती है जो धीरे पिघले और जिसमें कोई अवांछित गंध न हो।

पारदर्शी बर्फ जमाने की तकनीक

अक्सर घरों में जमने वाली बर्फ दूधिया या धुंधली दिखाई देती है, जिसका मुख्य कारण पानी में मौजूद ऑक्सीजन और अशुद्धियां होती हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपकी बर्फ कांच की तरह पारदर्शी बने, तो इसके लिए आपको पानी को दो बार उबालना चाहिए। पहली बार उबालने से पानी की अशुद्धियां कम होती हैं और दूसरी बार उबालने से उसमें घुली हुई हवा बाहर निकल जाती है। इस उबले हुए पानी को थोड़ा ठंडा होने के बाद ही फ्रीजर में रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त, यदि आप धीरे-धीरे बर्फ जमने की प्रक्रिया अपनाते हैं, तो बर्फ के क्यूब्स कहीं अधिक स्पष्ट और सुंदर बनते हैं। इसके लिए आप ट्रे को एक इंसुलेटेड बॉक्स में रखकर फ्रीजर में रख सकते हैं, जिससे ठंडक केवल ऊपर से नीचे की ओर जाए और हवा के बुलबुले नीचे की तरफ निकल जाएं।

बर्फ में नवीनता और स्वाद का समावेश

साधारण बर्फ के अलावा आप इसे परिवार के लिए अधिक रोचक बना सकते हैं। बच्चों और बड़ों को खुश करने के लिए आप पानी में पुदीने की पत्तियां, नींबू के बारीक टुकड़े या रंग-बिरंगे फलों के दाने जैसे अनार या अंगूर डालकर जमा सकते हैं। यह न केवल देखने में शानदार लगता है, बल्कि जैसे-जैसे बर्फ पिघलती है, वह पेय पदार्थ में एक हल्का और ताज़ा स्वाद भी छोड़ती है। इसके अलावा, फलों के रस या बची हुई कॉफी को क्यूब्स के रूप में जमाकर आप अपनी कोल्ड कॉफी या मॉकटेल को पतला होने से बचा सकते हैं और उनके स्वाद को बरकरार रख सकते हैं। खाने योग्य फूल का उपयोग करके आप अपनी आइस ट्रे को किसी पेंटिंग जैसा खूबसूरत लुक दे सकते हैं।

स्टोरेज के आधुनिक तरीके और सुरक्षा

बर्फ जमने के बाद उसे सुरक्षित रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसे जमाना। एक बार जब बर्फ के क्यूब्स तैयार हो जाएं, तो उन्हें ट्रे से निकालकर एक एयरटाइट ज़िप-लॉक बैग में ट्रांसफर कर दें। इससे न केवल फ्रीजर में जगह बचती है, बल्कि बर्फ 'फ्रीजर बर्न' से भी सुरक्षित रहती है, जिससे बर्फ की सतह खुरदरी और स्वाद खराब नहीं होता। बर्फ निकालते समय कभी भी धातु के नुकीले औजारों का प्रयोग न करें, क्योंकि यह न केवल आपकी ट्रे को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि प्लास्टिक के सूक्ष्म कण बर्फ में मिल सकते हैं जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। हमेशा सिलिकॉन मोल्ड्स का उपयोग करें क्योंकि वे लचीले होते हैं और बर्फ को बिना तोड़े बाहर निकालने में मदद करते हैं।

परिवार को सर्व करने का अंदाज

बर्फ को परोसते समय शिष्टाचार और स्वच्छता का ध्यान रखना सबसे महत्वपूर्ण है। परिवार के सामने बर्फ को कभी भी हाथों से उठाकर न डालें, बल्कि इसके लिए हमेशा एक सुंदर आइस बकेट और चिमटे का उपयोग करें। यदि आप किसी खास अवसर पर ड्रिंक सर्व कर रहे हैं, तो बड़े आकार के बर्फ के क्यूब्स का चुनाव करें क्योंकि वे धीरे पिघलते हैं और पेय के स्वाद को लंबे समय तक बनाए रखते हैं। कांच के साफ गिलासों में चमकती हुई बर्फ और उसके साथ सजावट के लिए रखी गई पुदीने की टहनी आपके सर्विंग स्टाइल को एक प्रोफेशनल टच देती है। मेहमानों को परोसते समय यदि आप 'आइस स्कूप' का उपयोग करते हैं, तो यह आपके सलीके को और भी गरिमापूर्ण बनाता है।

जल संरक्षण के प्रति जागरूकता

बर्फ जमाने की इस प्रक्रिया में हमें जल संरक्षण का भी ध्यान रखना चाहिए। अक्सर हम फ्रीजर में बहुत सारी पुरानी बर्फ जमा रहने देते हैं जिसे बाद में फेंकना पड़ता है। जरूरत के अनुसार ही बर्फ जमाएं। यदि कभी बर्फ बच जाए और वह उपयोग के लायक न हो, तो उसे सिंक में फेंकने के बजाय पौधों के गमलों में डाल दें। पिघलती हुई बर्फ पौधों को धीरे-धीरे नमी प्रदान करती है, जो उनके विकास के लिए बहुत अच्छी होती है। साथ ही, पुराने प्लास्टिक के बजाय अच्छी गुणवत्ता वाले बीपीए-मुक्त कंटेनरों का चुनाव करें ताकि पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों सुरक्षित रहें।

स्वच्छता का महत्व

अंत में, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि बर्फ की गुणवत्ता सीधे आपके स्वास्थ्य से जुड़ी होती है। हमेशा फिल्टर किए हुए या पीने योग्य शुद्ध पानी का ही उपयोग करें और आइस ट्रे को हर बार नया पानी भरने से पहले गुनगुने पानी से साफ करें। पुरानी जमी हुई बर्फ का उपयोग करने से बचें क्योंकि वह फ्रीजर की नमी और आसपास रखे भोजन की महक सोख लेती है। इन छोटे लेकिन प्रभावी वैज्ञानिक और रचनात्मक तरीकों को अपनाकर आप अपने घर में ही रेस्टोरेंट जैसी बेहतरीन बर्फ तैयार कर सकते हैं और अपने परिवार के साथ ठंडे व ताजगी भरे पलों का आनंद ले सकते हैं।

दीदीगिरी खत्म... बंगाल में भाजपा 200 पार, तमिलनाडु में सुपरस्टार विजय को 107 सीटें

छा गए बाबूमोशाय!

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और उसे के विधानसभा पुन के भारतीय राजनीति के इतिहास में बड़े 'पातर शिफ्ट' के तौर पर दर्ज हो गए। सबसे बड़ा उलटफेर बंगाल में हुआ, जहां भाजपा ने 15 साल से सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी को करारी शिकस्त दी। भाजपा 206 सोटें जीतकर 'स्नौनार बांग्ला में पहली सरकार बनाने जा रही है। टीएमसी 81 सीटों पर सिमट गई। भवानीपुर सीट पर मुर्वेदु अधिकारी ने ममता को 15, 105 बोटों से हरा दिया। सुर्वेद दोनों सीटों से जीत गए हैं। सबसे चौंकाने वाले नतीजे तमिलनाडु के रहे। जहां अभिनेता से नेता बने विजय को पार्टी टीवीके ने 234 सीटों में 107 पर जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। असम में भाजपा ने भारी बहुमत से जीत की हैट्रिक लगाई। पुदुच्चेरी में भी एनडीए ने लगातार दूसरी बार सत्ता काबिज रखो। विपक्ष को सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस की एकमात्र अच्छी खबर फैरल से मिली। यहां दस साल बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की सत्ता में वापसी हुई। नतीजों के साथ ही सीएम के चेहरे पर भी चर्चा तेज हो गई है। बंगाल में भाजपा बिना चेहरे के चुनाव लड़ा, इसलिए सबसे बड़ा सवाल यही है कि सीएम कौन होगा? संभावित नामों में सुर्वेद, समिक भट्टाचार्य जैसे नेता शामिल हैं। पार्टी किस्ने महिला चेहरे पर भी दांव खेल सकती है, ताकि सामाजिक संतुलन और राजनीतिक संदेश दोनों सथे। सुर्वेद बोले, 'ममता को हराना बेहद जरूरी था। वर्ड 77 में सभी मुस्लिमों ने ममता को वोट दिया। हिंदुओं, सिखों, जैनों और बौद्धों ने मुझे वोट दिया। यह जीत हिंदुत्य की जीत है... सोपीएम के समर्थकों ने भी मुझे वोट दिया।

सुवेंदु बंगाल के CM होंगे, राज्यपाल से मिले:सरकार बनाने का दावा पेश किया; कल शपथ; शाह बोले- महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी

कोलकाता (राजधानी चौपाल) | सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक के बाद अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। इसके बाद सुवेंदु लोकभवन में राज्यपाल से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। सुवेंदु कल सुबह 11 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की

शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में PM मोदी, शाह समेत NDA के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

उधर शाह ने विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ममता जी के शासन में अपराधी राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही। हम घुसपैठ, हिंसा, कट मनी खत्म करेंगे। महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी होगी। 56 साल के सुवेंदु ने CM ममता बनर्जी को भवानीपुर से हराया है। वे नंदीग्राम से भी लगातार दूसरी बार चुनाव जीते। यहां से 2021 में उन्होंने ममता को हराया था। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 207 सीटें जीती हैं।

परंपरा को सम्मान.. बंगाली धोती-कुर्ते में मोदी

नई दिल्ली | पीएम नरेंद्र मोदी ने चंगाल, असम व पुदुचेरी में भाजपा व एनडीए की जीत का जश्न मनाया। दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, उन्होंने इसे 'ऐतिहासिक और अभूतपूर्व' दिन बताया। मोदी ने कहा कि यह जनादेश 'परफॉर्मेंस की राजनीति' पर जनता को मुहर है। यह जीत लोकतंत्र के प्रति अटूट विश्वास व एक भारत श्रेष्ठ भारत' संकल्प की सिद्धि है।

सांस्कृतिक संदेश और बंगाली पहनावाः पोएम ने बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर पारंपरिक बंगाली धोती-कुर्ता और कशीदाकारी वाला अंगवस्व पहना, जो बंगाल की सांस्कृतिक पहचान के प्रति उनके सम्मान को दर्शाता है। भाजपा अध्यक्ष के रूप में नितिन नचीन के कार्यभार संभालने के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव था। पीएम ने जीत के लिए उनके कुशल मार्गदर्शन और रणनीति की प्रशंसा की।

इधर... विजय ने लगातार तीसरे दिन सरकार बनाने का दावा किया...

राज्यपाल को 118 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा, मिली सरकार बनाने की मंजूरी

चेन्नई (राजधानी चौपाल) | तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर जारी राजनीतिक सस्पेंस खत्म हो गया है। टीवीके चीफ और एक्टर विजय ने शुक्रवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल ने विजय को सरकार बनाने की मंजूरी दे दी है। विजय कल सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। विजय ने शुक्रवार को लोकभवन में लगातार तीसरे दिन राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। उन्होंने राज्यपाल को टीवीके, कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई (एम) और टीवीके के कुल 118 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने 234 में से 108 सीटें जीती हैं। इनमें दो सीटों पर विजय जीते हैं। कांग्रेस के 5 और सीपीआई, सीपीआई (एम), टीवीके के 2-2 विधायकों के समर्थन से टीवीके ने बहुमत का

आंकड़ा हासिल कर लिया है। इससे पहले विजय ने 6 और 7 मई को भी सरकार बनाने का दावा पेश किया था। लेकिन राज्यपाल ने कहा कि 118 विधायकों का समर्थन दिखाए बिना वे सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं कर सकते। टीवीके को बहुमत नहीं मिलने के केस में डीएमके और एआईएडीएमके में गठबंधन के बाद सरकार गठन की अटकलें हैं।

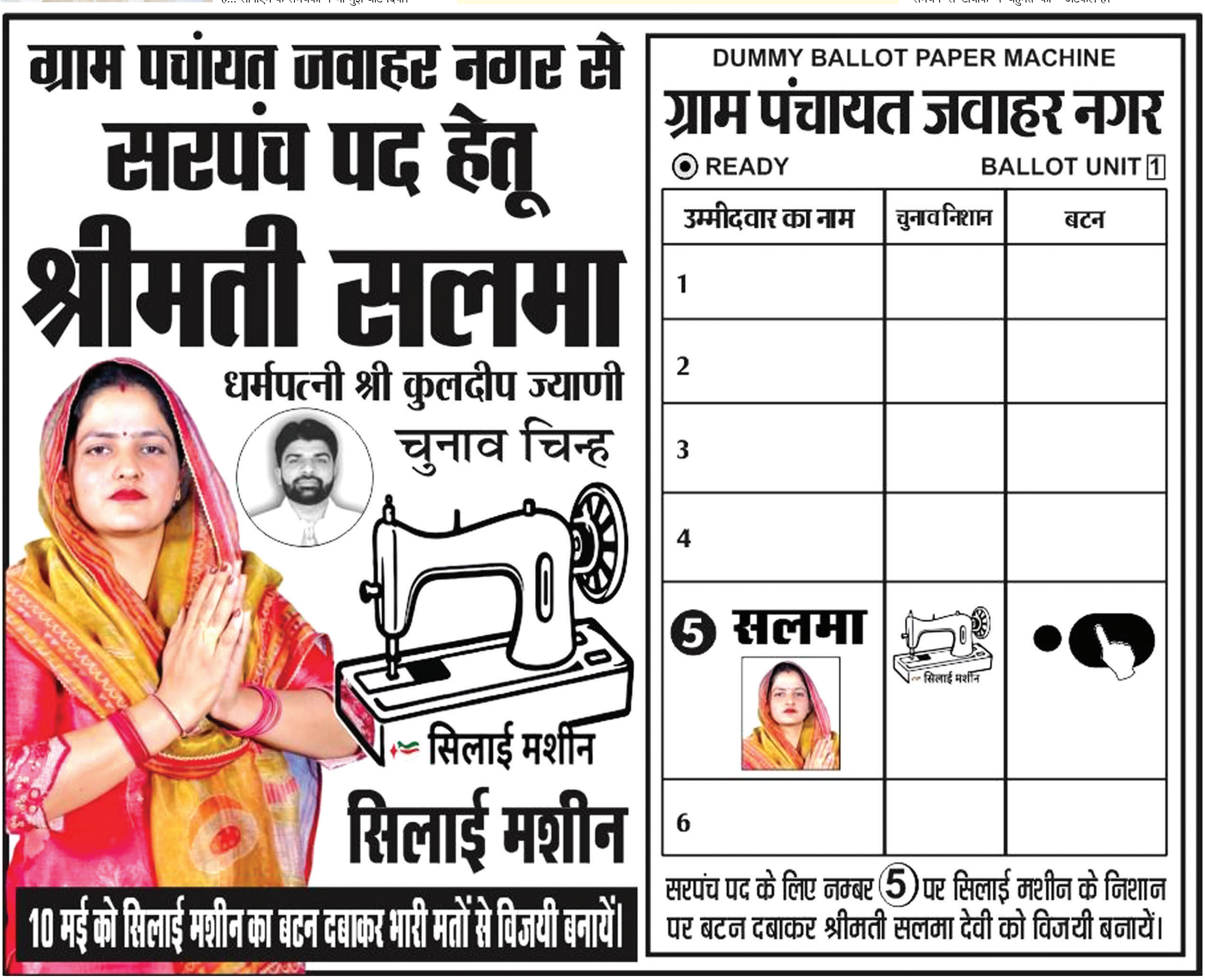

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)